पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 234

ग्वालियर, रविवार, 17 अक्टूबर, 2021

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

एनएसजी आतंकवाद से निपटने के लिए विश्व स्तरीय प्रशिक्षित बल : शाह

नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को 37वें स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) बल को बधाई देते हुए कहा कि यह आतंकवाद के सभी पहलुओं से निपटने के लिए एक विश्व स्तरीय प्रशिक्षित बल है और देश को अपने सैनिकों पर गर्व है। हर साल 16 अक्टूबर को एनएसजी का स्थापना दिवस मनाया जाता है।

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड, एनएसजी की स्थापना 1984 में हुई थी। तब केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक विशेष आतंकवाद-रोधी बल बनाने का निर्णय लिया था, जो आतंकवाद सभी पहलुओं से निपटने के लिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित हो। इसका उपयोग सिर्फ असाधारण स्थितियों में ही किया जाता है। इस साल एनएसजी की स्थापना की 37वीं वर्षगांठ है। एनएसजी को ब्लैक कैट्स के नाम से भी जाना जाता है।

गृह मंत्री ने ट्वीट किया, %हमारे बहादुर एनएसजी कर्मियों को उनके 37वें स्थापना दिवस पर बधाई। एनएसजी आतंकवाद के सभी पहलुओं से निपटने के लिए एक विश्व स्तरीय प्रशिक्षित बल है।

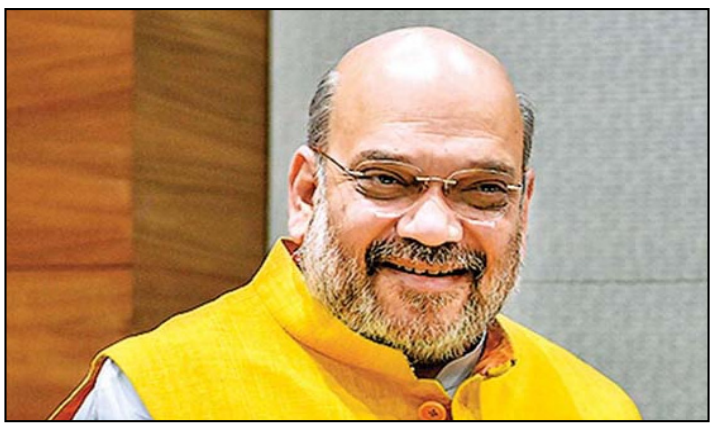

इस बल ने अपने आदर्श वाक्य %सर्वत्र सर्वोत्तम सुरक्षा% पर खरा उतरने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। भारत को एनएसजी ब्लैक कैट्स पर गर्व है। एनएसजी को केवल असाधारण परिस्थितियों में तैनात किया जाता है। एसएजी में राज्य पुलिस बलों या केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कर्मियों का समावेश होता है। इसके देश में छह परिचालन केंद्र हैं, जिसमें सातवें की योजना पठानकोट में है। एनएसजी आतंकवादी हमलों, बंधकों को छुड़ाने और अपहरण जैसी विभिन्न उच्च दबाव वाली स्थितियों से निपटने में सक्षम है।

2020 से पहले एनएसजी देश में वीआईपी सुरक्षा को भी संभालती थी, लेकिन केंद्र सरकार ने उसे वीआईपी सुरक्षा से हटाने का फैसला किया था। इस कदम के पीछे का कारण यह बताया गया कि एनएसजी को आतंकवाद निरोधी अपने मूल दायित्वों पर फोकस करने की जरूरत है।

बता दें कि इस बल का जब गठन हुआ था तब इसके मूल कामों में वीआईपी सुरक्षा शामिल नहीं थी। ब्लैक कैट्स ने 2008 में 26/11 के मुंबई हमलों के दौरान %ऑपरेशन ब्लैक टॉरनेडो% के जरिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। एनएसजी कमांडो ने नरीमन हाउस, ताजमहल पैलेस होटल और ओबेराय ट्राइडेंट होटल पर अन्य बलों के कर्मियों के साथ समन्वय करते हुए सभी आतंकवादियों को मार गिराया।

सरबजीत सिंह को 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा

सिंघु बॉर्डर पर युवक की निहंगों द्वारा हत्या का मामला

सोनीपत / दिल्ली-हरियाणा के सिंघु बॉर्डर पर युवक ही हत्या के मामले में कोर्ट ने आरोपी निहंग सरबजीत सिंह को 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस ने आरोपी को सोनीपत के सिविल जज (जूनियर डिविजन) की कोर्ट में पेश करते हुए 14 दिन की रिमांड मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने सिर्फ 7 दिन की रिमांड मंजूर की है। वहीं, हरियाणा पुलिस ने निहंग सरबजीत सिंह को कोर्ट में पेश करते हुए कहा कि हत्या में प्रयुक्त हथियार अभी बरामद किए जाने हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सरबजीत ने अपने डिसक्लोजर स्टेटमेंट में चार नाम बताए हैं और पुलिस इन्हें भी ट्रैस करने में लगी हुई है। इसके अलावा हरियाणा पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पंजाब के गुरदासपुर और चमकौर जाएगी। दिल्ली-हरियाणा के सिंघु बॉर्डर पर किसान आंदोलन के मंच के पास शुक्रवार की सुबह एक युवक का हाथ कटा शव मिलने से हड़कंप मच गया था। वहीं, किसान आंदोलन का नेतृत्व कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं ने कहा कि इस घटना को निहंगों ने अंजाम दिया है। इसके बाद शाम होते-होते रोहतक रेंज के एडीजीपी संदीप खिरवार, सोनीपत के डीसी ललित सिवाच और सोनीपत के एसपी जेएस रंधावा की कवायद के बाद सरबजीत सिंह नाम के निहंग ने पुलिस के सामने सरेंडर किया था। रोंगटे खड़े कर देने वाली इस हत्या के पीछे सरबलोह ग्रंथ की बेअदबी की बात सामने आयी है। यही नहीं, सरबजीत के सरेंडर से पहले निहंगों ने उसे सम्मानित करते हुए एक वस्त्र दिया और कहा कि उसने ऐसे व्यक्ति को सजा दी जिसने कथित तौर पर पवित्र ग्रंथ की बेअदबी की। निहंग सिख परंपरा के हैं और अपने नीले परिधान के लिए जाने जाते हैं और अकसर तलवार लिए होते हैं। वहीं, इस हत्या के पीछे सरबलोह ग्रंथ की बेअदबी का मामला बताया जा रहा है। वैसे सरबलोह ग्रंथ का शाब्दिक रूप से अर्थ 'सर्वव्यापी धर्मग्रंथ' है, लेकिन श्री गुरु ग्रंथ साहिब के विपरीत सरबलोह ग्रंथ कुछ हिस्सों को छोड़कर मुख्यधारा के सिख समुदाय द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है। हालांकि निहंग इसे उच्च सम्मान में रखते हैं।

बस ऑपरेटरों ने किराये में 50 फीसदी की बढ़ोत्तरी की मांग की

भोपाल । डीजल के दाम 100 रुपए लीटर के ऊपर पहुंच गया है। ऐसी स्थिति में बस आपरेटरों ने भी बस के किराये में 50 फीसदी की बढ़ोतरी की मांग शुरू कर दी है। आपरेटरों ने किराया बढ़ोतरी के लेकर परिवहन विभाग को अवगत करा दिया है। आपरेटरों की इस मांग पर इस महीने किराया बोर्ड की बैठक हो सकती है। बस आपरेटरों का कहना है कि जब किराए में 25 फीसदी की बढ़ोतरी की थी, तब डीजल 89 रुपए लीटर था। अब डीजल 102.14 रुपए हो गया है।

परिवहन विभाग ने अप्रैल 2021 में बसों के किराये में बढ़ोतरी की थी। 1 रुपये प्रति किमी से बढ़ाकर किराया 1.25 रुपये प्रति किमी कर दिया। जब यह किराया बढ़ाया गया था, तब आपरेटरों ने 50 फीसद की मांग थी। लेकिन विभाग ने 25 फीसद ही बढ़ाया था। किराया बढ़ोतरी की अधिसूचना जारी हुई थी, तब डीजल 89 रुपये लीटर था। तबतक अबतक 13.14 रुपये बढ़ बढ़ चुके हैं। कोविड की वजह से बस में ट्रेफिक भी कम है। बसों को जो ट्रेफिक मिलना चाहिए, वह नहीं मिल रहा है। डीजल 100 रुपये लीटर के पार होने पर फिर से किराया बढ़ोतरी पर जो दे रहे हैं। इसको लेकर विभाग को अवगत करा चुके हैं। बस आपरेटरों का कहना है कि यदि विभाग नहीं बढ़ाता है तो खुद से बढ़ा लेंगे। वर्तमान

परिस्थित में किराये डीजल का भी खर्च नहीं निकल रहा है।

एक लीटर 3.50 किमी चलती है बस

बस एक लीटर में साढ़े तीन किलो मीटर का एवरेज देती है। तीन से साढ़े तीन किलो मीटर बस चलाने पर ईधन पर 100 रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। इसके अलावा हाइवे पर टोल टैक्स अलग से देना पड़ रहा है। टायर भी महंगे हो गए हैं। स्टाफ का खर्च का भी बोझ बढ़ा है। टायर की 42 हजार की जोड़ी आ रही है। बसों में अभी 70 से 90 फीसद तक ही ट्रेफिक जा रहा है। जो बसें जा रही हैं, वह डीजल का भी खर्च नहीं निकाल पा रही हैं। यदि ग्वालियर से शिवपुरी की वापसी में 7 हजार का डीजल खर्च करना पड़ रहा है।

इनका कहना है

50 फीसदी किराया बढ़ाने की मांग की थी, लेकिन 25 फीसदी किराया ही बढ़ाया। डीजल के दाम बढ़ चुके हैं। इसे बस चलाना मुश्किल हो रहा है। किराया बढ़ाने लेकर परिवहन विभाग को अवगत करा चुके हैं। इस महीने किराया बोर्ड की बैठक बुलाने पर चर्चा हुई है।

पदम गुप्ता, महामंत्री मप्र रोडवेज

सीडब्ल्यूसी की बैठक में जी-23 को सोनिया गांधी का जवाब मैं ही हूं कांग्रेस की फुल टाइम प्रेसीडेंट

नई दिल्ली । कांग्रेस में घमासान के बीच आज सोनिया गांधी की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक हुई। पूर्णकालिक अध्यक्ष की मांग कर रहे उन कांग्रेस नेताओं को भी बगैर नाम लिए सोनिया गांधी ने यह कहकर जवाब दे दिया कि कांग्रेस की परमानेंट अध्यक्ष वही हैं। कांग्रेस अध्यक्ष और संगठन में चुनाव के मद्देनजर हो रही इस बैठक में सोनिया गांधी ने अपनी शुरुआती टिप्पणी में कहा कि कांग्रेस का हर सदस्य चाहता है कि पार्टी का पुनरुद्धार हो लेकिन इसके लिए एकता और पार्टी के हितों को सर्वोच्च रखने की जरूरत है। उन्होंने पार्टी नेताओं को आत्म-नियंत्रण और अनुशासन का ख्याल रखने को भी कहा। बागी नेताओं के समूह %जी-23% गुट पर परोक्ष निशाना साधते हुए सोनिया गांधी ने कहा कि मैं एक पूर्णकालिक और व्यावहारिक कांग्रेस अध्यक्ष हूं। मैंने हमेशा स्पष्टता की सराहना की है, मीडिया के माध्यम से मुझसे बात करने की कोई आवश्यकता नहीं है; आइए हम सभी ईमानदार चर्चा करें। संगठनात्मक चुनावों और अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर सोनिया गांधी ने कहा कि हमने 30 जून तक नियमित कांग्रेस प्रमुख के चुनाव के लिए रोडमैप को अंतिम रूप दिया था मगर कोरोना की दूसरी लहर के कारण समय सीमा अनिश्चित काल के लिए बढ़ा दी गई। आज हमेशा के लिए स्पष्टता लाने का अवसर है। लखीमपुर खीरी कांड पर बैठक में सोनिया गांधी ने कहा कि लखीमपुर-खीरी की चौंकाने वाली घटनाएं हाल ही में भाजपा की मानसिकता को दिखाती है कि वह किस तरह किसान आंदोलन को देखती है। ये दिखाती है कि भाजपा किसानों द्वारा अपने जीवन और आजीविका की रक्षा के लिए इस दृढ़ संघर्ष से कैसे निपट रही है।

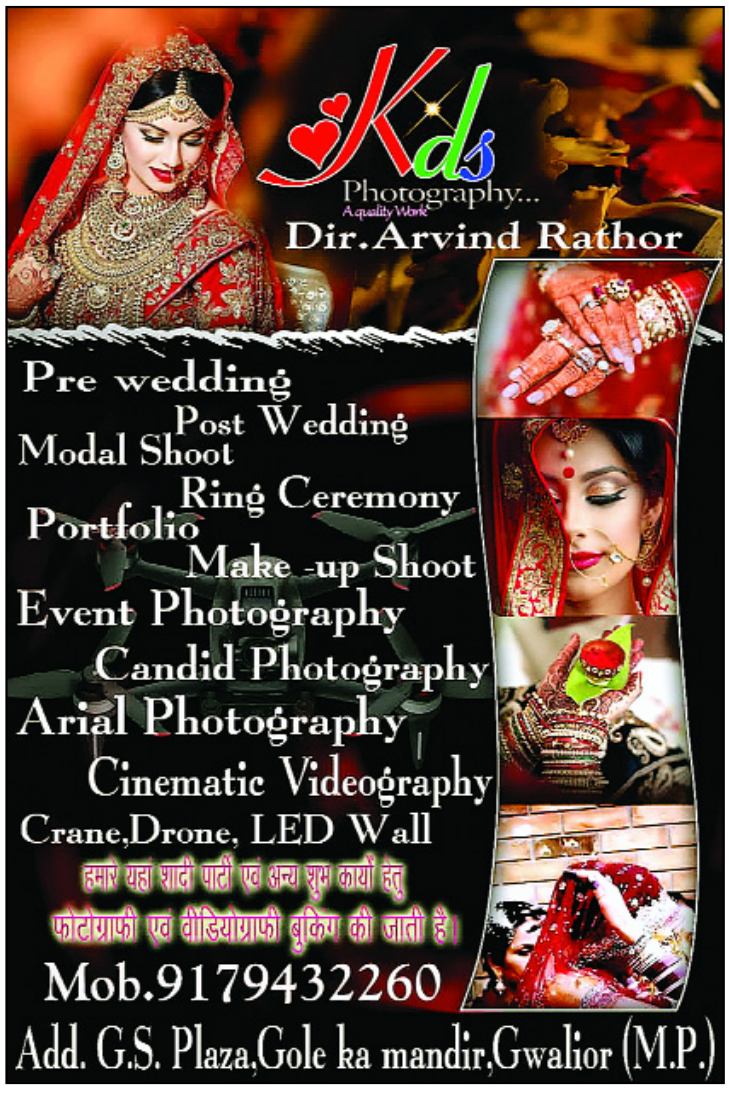

जिला मुख्यालय पर किसानों को टोकन के अनुसार खाद वितरण कराया जायेगा

मुरैना / जिला मुख्यालय मुरैना पर कृषि उपज मंडी में लगभग 3 हजार किसानों को शनिवार को खाद वितरण के लिये आगामी तिथियों के अनुसार टोकन का वितरण शांतिपूर्वक कराया गया।

कलेक्टर श्री बी.कार्तिकेयन के निर्देशन में एसडीएम, एसडीओपी और तहसीलदार की देख-रेख में टोकनों का वितरण कराया गया। जिन किसानों को टोकन में तिथियां निर्धारित की गई है, उन तिथियों में किसानों को आना होगा।

सबलगढ़ में एसडीएम श्री एलके पाण्डेय की देख-रेख में खाद वितरण कराया गया।

अब वाहन मालिक अपने पुराने नंबर को नए वाहन के लिए कर सकेंगे उपयोग

मुरैना / अब वाहन मालिक पुराने 4 पहिया वाहनों को आवंटित नंबर का उपयोग अपने नए वाहनों के लिए कर सकेंगे। इसके लिए वाहन मालिक द्वारा पुराने नंबर के लिए दी गई राशि अथवा न्यूनतम 15 हजार रूपये में जो भी अधिक होगा, भुगतान करना होगा। वर्तमान व्यवस्था के अनुसार कंडम अथवा निष्प्रयोजित वाहन के स्क्रेप के साथ ही उसका नंबर भी ब्लाक कर दिया जाता था। इस व्यवस्था में वी.आई.पी नंबर लेने वाले वाहन मालिक को नया नंबर लेना पड़ता था।

राज्य शासन द्वारा की गई नवीन व्यवस्था में अब सीधा लाभ वी.आई.पी नम्बर लेने वाले वाहन मालिकों को मिल सकेगा। मई 2014 के पूर्व प्रथम आओ, प्रथम पाओ के आधार पर वाहन क्रमांक आवंटित किये जाते थे, जिसमे 01 से 09 नंबर का शुल्क 15 हजार, 10 से 100 का 12 हजार, विशिष्ट नंबरों के लिए 10 हजार एवं शेष नंबरों का शुल्क 2 हजार रूपये था। इस अवधि के बाद वी.आई.पी नंबर के लिए ऑनलाइन नीलामी प्रक्रिया प्रारंभ की गई। चूँकि नीलामी प्रक्रिया के द्वारा मूल वाहन स्वामी द्वारा विशिष्ट नंबरों का काफी बड़ी राशि देकर क्रय किया जाता था। अब नई पालिसी में उनके या उनके परिवार वाला व्यक्ति उसी श्रेणी का वाहन खरीदने पर पूर्व वाहन के नंबर का उपयोग कर सकेगा।

मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा खादी वस्त्रों पर विशेष छूट

मुरैना / मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आमजन को समस्त प्रकार के खादी वस्त्र, कबीरा खादी गारमेंट्स एवं ग्रामोद्योग विन्ध्या वैली उत्पाद क्रय को प्रोत्साहित करने के लिए 31 दिसम्बर 2021 तक समस्त प्रकार के खादी वस्त्रों की फुटकर बिक्री पर विशेष डिस्काउंट 20+10+10 प्रतिशत एवं विन्ध्या वैली के ब्राण्ड उत्पादों की फुटकर बिक्री पर 20+10 प्रतिशत विशेष डिस्काउंट दिया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर की खादी संस्थाओं एवं ग्रामोद्योग इकाईयों के उत्.ष्ट खादी उत्पाद एवं राज्य शासन की स्व-रोजगार मूलक योजनाओं के अन्तर्गत वित्त पोषित इकाईयों, स्व-सहायता समूहों द्वारा उत्पादित विंध्यावैली ब्राण्ड एवं अन्य ग्रामोद्योग सामग्री विक्रय हेतु उपलब्ध रहेंगे।

दिव्यांगों को बस किराये में मिलेगी 50 प्रतिशत की छूट

मुरैना / मध्यप्रदेश राजपत्र दिनांक 24 नवम्बर 2016 द्वारा प्रावधानित किया गया है कि समस्त प्रकार की बस सेवाओं में विभिन्न प्रकार के दिव्यांग व्यक्तियों को सक्षम अधिकारी का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर किराये में 50 प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

दिव्यांगजन प्रमाण पत्र के लिए स्वयं या संबंधित स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से परिवहन कार्यालयों में आवेदन देने पर प्रमाण पत्र जारी किया जायेगा। प्रमाण पत्र के आधार पर 50 प्रतिशत किराये की छूट बस सेवाओं द्वारा दी जायेगी। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा यूनिक आईडी फार बिथ डिसएबेल्टीज (यूडीआईडी प्रोजेक्ट) चलाया जा रहा है। जिसके तहत यूनिक डिसएबेल्टीज कार्ड प्रदान किया जा रहा है। इस कार्ड के माध्यम से वे केन्द्र एवं राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। दिव्यांगजनों को 50 प्रतिशत की छूट का लाभ प्राप्त न होने पर बस मालिकों के विरूद्ध शासन के आदेश का उल्लंघन करने पर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

दीपावली के पूर्व 2.51 लाख आवासहीन परिवारों को मिलेगी अपने आवास की सौगात

अपने स्वयं के घर में गृह प्रवेश कर मनाएंगे दीपोत्सव
बैगा, भारिया, सहरिया भी पहुँचेंगे नए आवास गृहों में
हर गरीब परिवार को भूमि का पट्टा और आवास निर्माण की राशि दी जाएगी - मुख्यमंत्री

मुरैना / मध्यप्रदेश में आवास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का प्रभावी क्रियान्वयन करते हुए 21 लाख 5 हजार आवास बना लिए गए हैं। वित्त वर्ष 2021-22 में प्रदेश के कुछ जिलों में अतिवृष्टि के बावजूद वर्षाकाल की तिमाही में सबसे ज्यादा एक लाख 60 हजार आवास बना लिए गए। योजना में मध्यप्रदेश को मिले 26.28 लाख आवास गृह बनाने के लक्ष्य के मुकाबले प्राप्त उपलब्धि संतोषजनक ही नहीं गरीबों को आवास गृह दिलवाने की .ष्टि से सराहनीय भी है। उल्लेखनीय बात यह है कि मध्यप्रदेश की तीन विशेष पिछड़ी जनजातियों बैगा, सहरिया और भारिया के लोगों के लिए भी विशेष परियोजना के अंतर्गत आवास गृह उपलब्ध करवाए गए हैं। जीर्ण-शीर्ण घरों में रहने वाले इन वर्गों के लोगों के लिए यह अकल्पनीय था कि उन्हें इतनी शीघ्र आवास गृह मिल जाएगा और दीपोत्सव वे नए घर में ही मना पाएंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 2022 तक देश के सभी आवासहीन लोगों को आवास गृह उपलब्ध कराने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की पूर्ति में मध्यप्रदेश अच्छा कार्य कर रहा है। इस क्रम में आगामी सप्ताह मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के 2 लाख 51 हजार हितग्राहियों को आवास गृह का एक साथ वर्चुअल गृह प्रवेश करवाएंगे। इस संबंध में आवश्यक तैयारियाँ की जा रही हैं। सबको आवास 2022 की लक्ष्य पूर्ति में मध्यप्रदेश ने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। जिन परिवारों को अपने मकान की सौगात मिली है, वे प्रधानमंत्री श्री मोदी और मुख्यमंत्री श्री चौहान के प्रति विशेष रूप से आभारी भी हैं। इस वर्ष दीपावली के पहले वे अपने नवनिर्मित आवास गृह में पहुँचने के लिए तैयार हो गए हैं। अब वे नए आवास गृह में ही दीपोत्सव मनाएंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान का कहना है कि प्रदेश में हर गरीब परिवार को भूमि का पट्टा और पात्रतानुसार आवास निर्माण की राशि दी जाएगी।

कोरोना काल में भी नहीं रुका आवास बनाने का कार्य

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने निरंतर समीक्षा करते हुए आवास योजनाओं के क्रियान्वयन की गति को बढ़ाने के साफ निर्देश दिए। इसके फलस्वरूप प्रदेश में कोरोना काल में भी आवास निर्माण का कार्य नहीं रूका। इस अवधि में 3 लाख से अधिक आवास गृह निर्मित किए गए। आमतौर पर एक आवास गृह के निर्माण के लिए औसतन 4 महीने का समय तय है, लेकिन पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग ने गरीबों के लिए पक्के मकान बनाने का कार्य तेजी से पूरा करते हुए एक माह के अल्प समय में 1 लाख आवास गृह बनाकर तैयार किए। आवास निर्माण की अवधि राष्ट्रीय स्तर पर 114 दिवस है। इस .ष्टि से मध्यप्रदेश में अच्छी गति के साथ आवास निर्माण के कार्य सम्पन्न हुए हैं। वर्षाकाल में यह संभव नहीं था लेकिन निर्माण एजेंसियों ने मनोयोगपूर्वक कार्य करते हुए इस उपलब्धि को हासिल किया है।

सॉफ्ट एप के माध्यम से हितग्राही के खाते में अंतरित होती है राशि

महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में उन लोगों को आवास गृह मिल गया है, जिनका अपना मकान नहीं था। योजना के प्रावधानों के अनुसार हितग्राही को मकान की इकाई लगत मैदानी क्षेत्र में एक लाख 20 हजार और दूरस्थ पहुँचविहीन दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में एक लाख 30 हजार रूपए शत-प्रतिशत अनुदान के रूप में प्रदान की जाती है। यह राशि आवास निर्माण के कार्य की प्रगति के आधार पर किश्तों के रूप में दी जाती है। हितग्राही द्वारा अपने मकान के

निर्माण के लिए प्रदर्शित रूचि और परिश्रम के अच्छे परिणाम मिलते हैं। पूरा परिवार पक्के आवास गृह को पाकर अपने जीवन को सार्थक महसूस करता है। सॉफ्ट एप के माध्यम से जियो टेग, फोटो अपलेड होने पर स्वमेव हितग्राही के खाते में राशि का अंतरण हो जाता है। हितग्राही को किसी सरकारी दफ्तर का चक्कर नहीं लगाना पडता है। मकान के साथ ही स्वच्छ शौचालय का निर्माण किया जाता है। यही नहीं हितग्राही को उज्जवल्या योजना में एलपीजी गैस कनेक्शन भी प्रदान किया जाता है।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की जान बचायें और 5 हजार रूपयो पारितोषक राशि पायें

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा योजना लागू की

मुरैना / देश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं में मृत्युदर में कमी लाने हेतु सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा गुड समेरिटन स्कीम लाई गई है। इस स्कीम के तहत मोटरयान सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को बचाने का कार्य करने वाले गुड समेरिटन (नेक व्यक्ति) को 5 हजार रूपये की नगद प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति-पत्र दिया जायेगा। इस योजना को प्रोत्साहन अवार्ड नाम दिया गया है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान श्री जी. जनार्दन ने बताया कि मोटर यान सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को गुड समेरिटन (नेक व्यक्ति) सीधा अस्पताल, ट्रामा केयर सेंटर ले जाता है तो उस व्यक्ति के बारे में डॉक्टर द्वारा स्थानीय पुलिस को सूचित किया जाएगा। पुलिस द्वारा गुड समेरिटन का पूर्ण पता, घटना का विवरण, मोबाईल नम्बर इत्यादि एक अधि.त लेटरपेड पर निर्धारित प्रारूप में लेख कर एक प्रति गुड समेरिटन को और एक प्रति जिला अप्रेजल कमेटी को भेजी जाएगी। यदि गुड समेरिटन द्वारा सीधे पुलिस को सूचना देकर मोटर यान दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को अस्पताल/ट्रामा केयर सेंटर ले जाकर जान बचाई जाती है तो पुलिस द्वारा उनका पूर्ण पता, घटना का विवरण निर्धारित प्रारूप में लेख कर एक प्रति गुड समेरिटन को दी जाएगी एवं एक प्रति जिला अप्रेजल कमेटी को भेजी जाएगी।

ऐसे प्रकरणों को परीक्षण करने के लिए जिला स्तर पर जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में एक जिला अप्रेजल कमेटी गठित की जाएगी जिसमें पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं जिला परिवहन अधिकारी सदस्य होंगे।

मोटरयान सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन अवर में अस्पताल, ट्रामा केयर सेंटर ले जाने वाले गुड समेरिटन को नगद प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति-पत्र दिया जाकर प्रोत्साहित करेंगे, ताकि आम जनता इनसे प्रेरित होकर मोटर यान सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की जान बचाने में सामने आये ताकि सड़क दुर्घटनाओं में मृत्युदर को कमी लाई जा सके।

योजना का उददेश्य

यह योजना मोटर यान सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन अवर में जान बचाने के लिए अस्पताल, ट्रामा केयर सेंटर ले जाने वाले आम-जनता को प्रोत्साहन एवं प्रेरणा देना है।

पात्रता

कोई भी व्यक्ति जो मोटर यान सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन अवर में अस्पताल, ट्रामा केयर सेंटर तत्परता से पहुँचाकर जान बचाता है ऐसे सभी व्यक्ति इस अवार्ड के लिए पात्र होंगे। गोल्डन अवर अर्थात दुर्घटना होने के एक घंटे के भीतर गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को मरने से बचाने के लिए चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराना।

प्रोत्साहन राशि

योजना में दिए दी जाने वाले अवार्ड में 5 हजार रूपये नगद राशि एवं प्रशस्ति-पत्र दिया जाएगा। यदि मोटरयान सड़क दुर्घटना में एक से अधिक गुड सेमेरिटन व्यक्ति की जान बचाते है तो प्रोत्साहन राशि समान रूप से उनमें बांटी जाएगी।

यदि एक मोटरयान सड़क दुर्घटना में एक से अधिक गुड सेमेरिटन द्वारा एक से अधिक गंभीर घायल व्यक्तियों को अस्पताल पहुँचा कर जान बचाते हैं तो हर एक गुड सेमेरिटन को 5 हजार रूपये नगद प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति-पत्र भी दिये जाऐंगे। जिला अप्रेजल कमेटी द्वारा पुलिस थाना, अस्पताल, ट्रामा केयर सेंटर द्वारा जानकारी प्राप्त होने पर प्रकरणों की समीक्षा कर गुड सेमेरिटन अवार्ड प्रदाय हेतु निर्णय लिया जाएगा। इस प्रकार चयनित प्रकरणों की सूची को राज्य परिवहन आयुक्त को भेजा जाएगा। राज्य परिवहन आयुक्त द्वारा सीधे गुड सेमेरिटन के बैंक खाते में प्रोत्साहन राषि जमा कर दी जाएगी।

इसके अतिरिक्त परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सभी राज्यों से उत्.ष्ट तीन-तीन प्रकरण प्राप्त कर परिक्षण किये जायेंगे। प्राप्त प्रकरणों का गहनता से परीक्षण कर कुल 10 प्रकरण उत्.ष्ट सहायता के आधार पर चयनित किए जाकर प्रत्येक प्रकरण में जान बचाने वाले व्यक्ति को 1-1 लाख रूपये अतिरिक्त पारितोशित राशि, प्रशस्ति-पत्र एवं एक ट्रॉफी परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में दी जाकर सम्मानित किया जाएगा।

योजना 15 अक्टूबर 2021 से लागू होगी। गुड समेरिटन द्वारा दी गई जानकारी केवल अवार्ड प्रदाय के लिए उपयोग की जाएगी, अन्य किसी कार्य के लिए नहीं। इस प्रकार एक गुड समेरिटन को वर्ष में अधिकतम 5 प्रकरणों में अवार्ड दिया जा सकेगा। गुड समेरिटन कार्य में प्रदाय की जाने वाली अवार्ड की समस्त राशि परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वहन की जाएगी।

श्री जनार्दन ने बताया कि योजना के संबध में पीटीआरआई पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा समस्त जिला पुलिस अधीक्षकों एवं जोनल पुलिस महानिरीक्षकों को निर्देश जारी कर दिये गये हैं। इस संबंध में लोगों से अपील है कि सड़क दुर्घटना में जहाँ भी कोई व्यक्ति गंभीर रूप से घायल होता है उसे अस्पताल पहुँचाकर उसके जीवन की रक्षा करने में योगदान करें। जीवन रक्षा के इस नेक कार्य में स्वंय भी आगे आएं और लोगों को भी जान बचाने के लिए प्रेरित करें।

निःशुल्क भूमि हस्तांतरण विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला

राजस्व, वन, लोक निर्माण और एन.एच.ए.आई. के अधिकारी होंगे शामिल

मुरैना / अटल प्रगति पथ परियोजना प्रदेश की सर्वाधिक महत्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी अटल प्रगति पथ परियोजना को तेजी से मूर्तरूप प्रदान करने के प्रयास लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जा रहे हैं। परियोजना के निर्माण के लिए राज्य शासन द्वारा एन.एच.ए.आई. को निःशुल्क भूमि दिसम्बर-2021 तक उपलब्ध कराई जाना है। भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया को तेजी से पूर्ण कराने के लिए भिण्ड, मुरैना और श्योपुर जिले के राजस्व, वन, लोक निर्माण विभाग तथा एन.एच.ए.आई. के अधिकारियों की संयुक्त कार्यशाला 21 और 22 अक्टूबर 2021 को आयोजित की जाएगी।

प्रमुख सचिव लोक निर्माण श्री नीरज मंडलोई ने बताया कि अटल प्रगति पथ का 313 किलोमीटर एरिया चंबल संभाग के श्योपुर, मुरैना तथा भिंड जिलों की सीमा से गुजरेगा। राज्य शासन की मंशानुसार यह कार्य निर्बाध रूप से समय-सीमा में पूर्ण किया जाना है। इसके लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा तीनों जिलों के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक तथा पटवारी, वन मंडलाधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी वन तथा रेंजर, लोक निर्माण विभाग तथा राष्ट्रीय राजमार्ग के मैदानी अमले के साथ कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। श्री मंडलोई ने बताया कि कार्यशाला जिला कलेक्टर के निर्देशन में आयोजित की जाएगी। दिनांक 21 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से एक बजे तक कलेक्टर सभागार भिण्ड तथा दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक कलेक्ट्रेट सभागार मुरैना में कार्यशाला आयोजित होंगी। इसी प्रकार 22 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक कलेक्टर सभागार श्योपुर में कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

सहकारी समितियों का पंजीयन अब ऑनलाइन

मुरैना / प्रदेश में में सहकारी समितियों का पंजीयन ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा किया जा रहा है। ऑनलाइन प्रक्रिया से समितियों का पंजीयन करवाने हेतु संबंधित व्यक्तियों को कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं है।

समितियों के पंजीयन हेतु विभागीय ऑनलाईन पोर्टल ेजजचरूपबउपेण्उचण्हवअण्पद पर जाकर 21 व्यक्ति मिलकर सहकारी समिति का गठन कर सकते हैं। पोर्टल पर नवीन संस्था का आवेदन करने हेतु आवेदक उल्लेखित लिंक पर जाकर स्वयं एमपी ऑनलाईन नागरिक सुविधा केन्द्र के माध्यम से आवेदन कर सकता है। आवेदक को पोर्टल पर अपना लॉग इन क्रिएट करना होगा। लॉग इन क्रिएट करने हेतु आधार से लिंक मोबाईल नंबर प्रविष्टि कर ओटीपी सत्यापन होगा।

प्रस्तावित संस्था की जानकारी एवं प्रथम आवेदन की जानकारी भरकर पासवर्ड निर्मित करेगा। तत्पश्चात् आवेदक का लॉगिन निर्मित हो जायेगा। अंशपूंजी का मूल्य दर्ज करके प्रस्तावित सदस्यों के फोटो एवं हस्ताक्षर अपलेड कर तदर्थ कमेटी नामांकित कर दस्तावेज अपलेड कर अंशों का मूल्य एवं सदस्यता प्रवेश शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करना होगा । आधार नंबर से वर्चुअल आईडी जनरेट होगा और आवेदक का ई-साईन कर आवेदन ऑनलाईन जमा करना होगा। विभाग द्वारा आवेदन प्राप्त होने पर अधिकतम 45 दिवस के भीतर आवेदन पर कार्यवाही की जायेगी। कुछ कमियां होने पर पोर्टल पर दर्ज किया जायेगा। जिसकी सूचना एसएमएस से दी जायेगी। पंजीयन पोर्टल पर आवेदन मान्य होने पर पोर्टल से ही पंजीयन प्रमाण-पत्र जनरेट होगा। जिसमें डिजिटल हस्ताक्षर रहेंगे।

आज विद्युत बंद रहेगी

मुरैना / विद्युत मंडल के उपमहाप्रबंधक ने बताया कि 33 केव्ही एवं 11 केव्ही लाइनों का रख-रखाव कार्य होने के कारण 17 अक्टूबर 2021 को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक 33 केव्ही छोंदा इंडस्ट्रीयल एवं 11 केव्ही रविदास नगर फीडरों से संबंधित उपभोक्ताओं की विद्युत सप्लाई बंद रहेगी।

खेत में मिला बिजली कर्मचारी का शव

भिंड / जिले के आलमपुर थाना क्षेत्र में एक बिजली कर्मचारी का शव खेत में पड़ा मिला है ।पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है ।जानकारी के अनुसार खुर्द दमोह निवासी संजीव कौरव बिजली विभाग में प्राइवेट कर्मचारी था। बीते रोज वह आलमपुर के लिए निकला था। उसके बाद वह घर नहीं पहुंचा। बाद में खेत में बिजली के खंबे के पास उसका शव मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर आ गई और मृतक के शव को पीएम के लिए भेज मर्ग कायम कर लिया है।

बुखार आने पर तत्काल स्वास्थ्य केन्द्र में जांच करायें

मुरैना / मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों से बचाव के लिये मच्छरों की वृद्धि रोकने अपने घर व आस-पास पानी इकट्ठा न होने दें। पात्रों में भरा पानी सप्ताह में एक बार अवश्य खाली करें, साथ ही मच्छरों से बचाव करें। सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें, इसके साथ ही पूरी अस्तीन के कपड़े पहने। मच्छर भगाने वाले साधन जैसे- क्रीम, क्वाइल, रिपलेन्ट इत्यादि का उपयोग करें। टायर, कबाड़ सामान ढंककर रखें इनमें पानी इकट्ठा नहीं होने दें। बुखार आने पर तत्काल स्वास्थ्य केन्द्र में जांच करायें। वर्षाकाल में जगह-जगह पानी इकट्ठा हो जाता है तथा हमारे घर व आसपास पानी के कन्टेनर व कबाड़ सामान, टायर, टंकी, गमले, मटके, गमले, कूलर आदि में जमा पानी में मच्छर अंडे देकर वृद्धि करते हैं। जिनके काटने से मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया बीमारी फैलने की संभावना होती है। ऐसे जलपात्रों में भरे पानी को सप्ताह में एक बार अवश्य खाली करें। ताकि इनमें पनप रहे मच्छर के लार्वा नष्ट हो जाए व मच्छरों की वृद्धि रुक जाए।

वन-टू-वन

दतिया प्रवास पर गृहमंत्री का श्यामू ठाकुर के नेतृत्व में हुआ जोरदार स्वागत

पुष्पांजली टुडे, दतिया। एक दिवसीय प्रवास पर सेवड़ा पहुंचे मध्य प्रदेश शासन के गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने धीरपुरा थाने इंदरगढ़ में कॉलेज भगवाऊपुरा और सेवड़ा में नवीन थाने के साथ ऑक्सीजन प्लांट का लोकार्पण किया गृहमंत्री का दतिया से सेवड़ा तक कार्यकर्ताओं ने जोरदार ऐतिहासिक स्वागत किया वही सियाणा पहुंचने पर भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्यामू ठाकुर के नेतृत्व में मंडी अध्यक्ष सेवड़ा बंटी राजपूत त्रिलोक धाकड़ गंधर्व राजपूत राहुल चौरसिया ने 51 किलो की माला पहना कर आरती की और उनका ऐतिहासिक स्वागत किया इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी श्यामू ठाकुर ने कहा कि मध्यप्रदेश में ही नहीं बल्कि देश के कई राज्यों में यशस्वी हमारे दतिया के लाडले विधायक मध्य प्रदेश शासन के गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा नाम रोशन कर रहे हैं जब हम कहीं पर जाते हैं और दतिया का बताते हैं तो लोग कहते हैं वही दतिया जो नरोत्तम मिश्रा ने विकास किया है तो हमारा सीना गदगद हो उठता है ऐसा नाम है वैसा ही उनका काम है या हम यूं कहें जिसका काम ही उत्तम है उसका नाम नरोत्तम है इस अवसर पर निर्वेद सविता रवि सोनी बाबू चंदेल राहुल चंदेल योगेश यादव संतोष विश्वकर्मा सुमित चौरसिया मातादीन जाटव संतोष प्रजापति रमेश सोनी बबलू चौरसिया रघुवीर प्रजापति नहिला सरपंच आसाराम बंशकार पवन बंशकार राम लखन बाथम बाथम सुनील बाथम संदीप रावत आकाश शर्मा मंगल बाल्मिक दीपक पंडा इमरान खान उमर काजी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

तहसीलदार ने अवैध रूप से पत्थर उत्खनन करते ट्रेक्टर पकड़ कराई एफ आई आर

अनिल कुशवाह ब्यूरो, पुष्पांजली टुडे। बैराड़-तहसील क्षेत्र के अंतर्गत बैराड़ तहसीलदार प्रतिज्ञा ढेंगुला ने एक नीले रंग का आयशर ट्रेक्टर पत्थर खदान से अवैध उत्खनन कर भरते हुए पकड़ लिया जिसको बैराड़ पुलिस के सुपुर्द किया और राजस्व प्रकरण तैयार कर एफ आई आर दर्ज की गई है। तहसीलदार प्रतिभा ढेंगुला ने बताया कि सूचना पर राजस्व निरीक्षक अंकित शर्मा एवं टीम ने कृषि उपज मंडी बैराड के पीछे कालामढ क्षेत्र मेंएक नीले रंग का ड़ ट्रैक्टर ट्रॉली नंबरद्वश्च33ड्ड4459में अवैध उत्खनन कर पत्थर भरे हुए इमरत शाक्य चालक के साथ मौके पर पकड़कर पुलिस थाने में लाकर अवैध उत्खनन करते हुए जप्तकर खनिजराजस्व चोरी की धाराओं सहित प्रकरण दर्ज कराते हुए एफ आई आर करा दी गई है।

गोपाल सिंह तोमर बने प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट

दैनिक पुष्पांजली टुडे ग्वालियर । अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषिपाल सिंह परमार कल एक निजी होटल शाने ग्वालियर के शुभारंभ कार्यक्रम में ग्वालियर पधारे और इस अवसर पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष गोपाल सिंह तोमर को संगठन के प्रति उनकी निष्ठा और समर्पण को देखते हुए पदोन्नत करके अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट का प्रदेश अध्यक्ष मध्य प्रदेश नियुक्त किया है। इस अवसर पर संगठन के प्रशांत सिंह परमार, रविंद्र सिंह तोमर, राजीव सिंह भदोरिया, राहुल प्रताप सिंह परमार, शैलेंद्र सिंह राठौड़, साजन सिंह राठौड़, मीनू सिंह तोमर, राम तोमर, विवेक तोमर, सहदेव सिंह जादौन, नितेश सिंह भदोरिया, आदि अनेक पदाधिकारियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष पहुंचे गांव - गांव, व्यक्त की शोक संवेदनाएं व ढांढस बधाया

महेन्द्र शर्मा, रिपोर्टर ग्वालियर संभाग, पुष्पांजली टुडे मौ गोहद। आज मौ मण्डल में परम आदरणीय एवं सम्मानीय भारतीय जनता पार्टी में अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लाल सिंह आर्य जी ने दुःखद परिवारों के बीच नगर मौ, गुमारा, जमदारा व अन्य गांवों में पहुँचकर शोक संवेदना व्यक्त की, आर्य सभी जगह पहुंचकर शोकाकुल परिवार के सदस्यों से मिले व उनका ढाढस बधाया एवम स्वर्गीय आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। आर्य के साथ में श्री सज्जन सिंह यादव की पूर्व मंडी अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष गोपाल कुशवाहा जी पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष मर्जाद सिंह धोरी जी रघुवीर पवैया जी सुल्तान मौर्य महामंत्री जी राजू मिश्रा महामंत्री जी रामू कुशवाह मीडिया प्रभारी कोमल यादव पप्पू यादव फौजी रामख्यार गुर्जर जी भारतीय जनता पार्टी के समस्त श्रेष्ठ वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार परिषद में छठवें कार्यकाल के लिए भारी बहुमत से भारत हुआ पुनः निर्वाचितः श्रीमती संध्या राय

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे
9826576206

भिण्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के प्रति संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार परिषद 2022-24 में छठवें कार्यकाल के लिए है प्रचंड बहुमत के साथ भारत पुनः निर्वाचित हुआ, यह भारत के लिए गौरव की बात है।पीएम मोदी ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपनी विकास जन-कल्याणी योजनाओं और विचारधारा के साथ राष्ट्रीय नीतियों के साथ गरीब मजदूर किसानों एवं झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले गरीब तबके के लोगों के लिए कार्य किया है।आज भारत को समर्थन करने के लिए कई देशों ने प्रधानमंत्री जी का साथ दिया।यह बात भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भिंड दतिया लोकसभा सांसद श्रीमती संध्या राय ने मोदी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहीं।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सांसद श्रीमती संध्या राय ने कहा कि 193 सदस्यों में से 184 ने भारत को समर्थन दिया जबकि बहुमत के लिए मात्र 97 वोट की आवश्यकता होती है। प्रचंड बहुमत के साथ भारत आज विश्व के पटल पर अपना नाम रोशन कर रहा है, अभी तक कांग्रेस की सरकारों में भारत को समर्थन नहीं मिलता था 7 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी विचारधारा को लेकर विदेशों में जो ताबड़तोड़ दौरे कर उनसे मधुर संबंध बनाने का काम किया। आज सम्पूर्ण विश्व भारत की विदेश नीति तारीफ करती है और

अमेरिका जैसे कई देश आज भारत के साथ हर संकट की घड़ी में खड़े होकर मोदी का सहयोग कर रहे हैं द्य

उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार परिषद में छठवीं कार्यकाल दौरान प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत को और अधिक मजबूती मिलेगी और संयुक्त राष्ट्र में हमारी विचारधारा से भारत आगे बढ़ेगा।

भाजपा सांसद श्रीमती राय ने कहा कि जो देश भारत का विरोध करते थे आज उन्हीं ने हमारा समर्थन किया है 7 आतंकवाद जैसी घटनाओं को भी रोकने के लिए भारत का लोगों ने समर्थन किया 7 हमारी नीति हमारा नेतृत्व इस देश के विकास के मार्ग पर कार्य करते हुए राष्ट्र के पुनर्निर्माण में अपनी जनभागीदारी सुनिश्चित करेंगे ।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सांसद श्रीमती राय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में कोविड-19 की लड़ाई को भारत में ही नहीं, पूरे विश्व पर लड़ी गई, जब कोरोना काल में पूरा विश्व जिंदगी और मौत से जूझ रहा था उस समय मोदी जी ने अपनी सूझबूझ एवं कुशल प्रशासन नीति से भारत में जल्द जल्द वैक्सीन का निर्माण करवाकर स्थिति को काबू किया और पूरे विश्व को भारत की प्रेरणादायी संस्कृति का प्रचार करते हुए नमकार करना सिखाया 7 मानवता के नाते जीवन सुरक्षा के लिए कोरोना वायरस से जूझ रहे लोगों के लिए वैक्सीन से लेकर अच्छी से अच्छी दवाइयां भारत में ही नहीं विश्व में भी उन्होंने निशुल्क भेजी और लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी को सुनिश्चित किया 7 मोदी जी कोविड-19 के संकट की घड़ी में अन्य देशों के साथ अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए खड़े रहे जिन्होंने अपनी राष्ट्रीय नीति से अन्य देशों में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग दिवस मनाने की प्रेरणा दी द्य आज भारत संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार परिषद में विजयी हुआ है तो मोदी जी के नेतृत्व की ही प्रेरणा है 7 ऐसे ही हमारे भारत को मोदी की ही आवश्यकता है, जोश भारत का नेतृत्व कर हम सब कोई नई शक्ति प्रदान कर सकें ।

ज्वलंत समस्याओं को लेकर मऊरानीपुर तहसील में उत्तर प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में किसानों ने प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को सौंपा 5 सूत्रीय ज्ञापन

पुष्पांजली टुडे

मऊरानीपुर । जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवनारायण सिंह परिहार के नेतृत्व में आज मऊरानीपुर तहसील के प्रांगण में प्रदर्शन करते हुए किसानों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर एक 5 सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी झांसी आंध्रा वामसी को सौंपकर बताया कि ग्रामीण अंचलों को जोड़ने वाले लिंक रोड जो मेन रोड को जोड़ते हैं उनकी हालत बद से बदतर हो चुकी है। लिंक रोड बड़े-बड़े गड्ढों तब्दील हो चुके हैं उनको तत्काल मरम्मत कराकर गड्ढा मुक्त किया जाए। इस वर्ष खरीफ की फसल संपूर्ण रूप से नष्ट हो गई है। जिसका तत्काल खेतों का प्लाट टू प्लाट सर्वे कराकर किसानों को अविलंब मुआवजा दिलाया जाए। जिससे किसान अपनी रवि की फसल की तैयारी कर सकें। किसानों को बीमा क्लेम तत्काल दिलाया जाए। ग्रामीण अंचलों, शहरों में विद्युत की अघोषित कटौती को तत्काल बंद कराया जाए। और रबी फसल का सीजन आ गया है नहरों की साफ सफाई कराई जाए। अविलंब पानी की व्यवस्था कराई जाए। जिससे किसान अभिलंब अपनी रवि की फसल के लिए खेतों का पलेवा एवं बुवाई कर

सकें। अगर किसानों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण समय पर नहीं होता है तो किसान कांग्रेस बृहद आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन व प्रशासन की होगी। इस मौके पर शेखर राज बड़ौनिया, प्यारेलाल बेधड़क, हरीश चंद्र मिश्रा, रामाधार निषाद, नंदराम सिंह खंगार, बैजनाथ पांचाल, अच्छेलाल, भजन सिंह सहित आदि किसान उपस्थित रहे।

एक्सीडेंट होने से सीआईएसएफ का जवान सुरेंद्र सिंह तोमर हुआ शहीद

पुष्पांजली टुडे

पोरसा । उंदरपुरा निवासी सुरेंद्र सिंह तोमर 12 तारीख को छुट्टी लेकर दिल्ली से अपने गांव उंदरपुरा आए हुए थे जो सुबह 14 तारीख को ग्वालियर अपने प्लॉट देखने के लिए एवं बनवाने के लिए गए हुए थे तभी ग्वालियर से शाम 4ः00 बजे लौटते वक्त गोहद के पास रेलवे क्रॉसिंग पर अज्ञात वाहन सवार ने स्कूटी मे जोरदार टक्कर मारी जिससे सीआईएसएफ के हेड कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह तोमर पुत्र जनबेद सिंह को सर मैं अधिक चोटे आने के कारण बेहोशी की हालत में गिर पड़े जिसकी सूचना राहगीरों के द्वारा परिजनों को दी गई तुरंत ही परिजन घटनास्थल मौके पर पहुंचकर ग्वालियर सिम्स हॉस्पिटल में लेकर पहुंचे जहां रात भर सुरेंद्र सिंह तोमर सीआईएसफ हेड कांस्टेबल का इलाज डॉक्टरों के द्वारा किया गया लेकिन सुबह 15 तारीख को डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया गया सुरेंद्र सिंह तोमर सीआईएसएफ हेड कांस्टेबल के रूप में एयरपोर्ट नई दिल्ली में पदस्थ हैं,,इनका एक लड़का उमेश सिंह तोमर उम्र 30 साल जो अभी बीएसएफ में पदस्थ है इस समय वेस्ट बंगाल कोलकाता में ड्यूटी कर रहा है और 2 बच्ची है जिनकी शादी हो चुकी है एक बच्ची का नाम उपमा दूसरी बच्ची का नाम उपासना है।

कन्नड फिल्म चैलेंजिंग स्टार दर्शन अभिमानी संघ की ओर से श्रीनिवास की 26वी. पुण्यतिथी मनाई

पुष्पाजंली टुडे मैसूरु। शनिवार कन्नड़ फ़िल्मि चैलेंजिंग स्टार दर्शन अभिमानी संघ की ओर से संदलवुड कलाकार तुगदीप श्रीनिवास की 26 वी.पुण्यतिथि मनाई गई द्य सर्व प्रथम अभिनेता की तस्वीर पर पुष्पहार पहनाकर दीप प्रज्वलित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए द्य पौधा रोपण किया गया द्य पर्यावरण जागृति वैदिके के अध्यक्ष बनूर महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने अपने संबोधन में बताया कि अभिनेता तुगदीप श्रीनिवास सरल और उधारमना थे द्य कन्नड़ साहित्य,सिनेमा,संस्कृति के उत्थान हेतु कई अनुकरणीय कार्य किए द्य समाजसेवी बनूर डॉ.महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने आज मैसूरु व मंड्या में मोटिवेशन ट्रस्ट के मुक बधीर और नेत्रहीन बच्चों को तथा एनडी मोहल्ला शेल्टर चैरिटेबल ट्रस्ट के कर्मचारियों को वस्त्र वितरित किए द्य इस दौरान मंजूनाथ,लिंगाराजू, हरीश नायडू, होसकोटे दक्षिराजू, विनोद,संतोष, गाजा, मुरुगा, मुरुलु, सुचिंद्र, तलोसीदास, बसवराज दास ,जंनकसिंह भाटी सहित कई प्रशंसकों ने भाग लिया।

कच्ची शराब पर आबकारी की लगातार कार्यवाही, पकड़ी 37 लीटर कच्ची शराब व 2300 किलो लहन की नष्ट

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक , पुष्पांजली टुडे।

दबोह। भिण्ड कलेक्टर सतीश कुमार एस,पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह के निर्देशन में व जिला आबकारी अधिकारी अमर सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन में अवैध मदिरा के विक्रय,निर्माण परिवहन के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत दबोह पुनः में कच्ची शराब पर कार्यवाही की गई।इस दौरान आबकारी विभाग ने कच्ची शराब के खिलाफ कार्यवाही को अंजाम दिया है।आबकारी उपनिरीक्षक अजीत यादव ने बताया कि लगातार शिकायतों के चलते पुनः अमाहा माँ रहकोला देवी मंदिर के पास व करधेन के हार में बने कंजर डेरो पर दबिश दी गई।दोनों डेरो पर आबकारी टीम व पुलिस की मदद से घेराबंदी कर दबिश दी गई तो महिलाये शराब बेचते हुए पाई गई।इनके कब्जे से एवम इनकी निशादेही में डेरो से 37 लीटर कच्ची शराब जप्त की साथ ही खेत मे बने गड्डो में मिली 2300 किलोग्राम गु? लहन को मौके पर सेंपल लेकर नष्ट किया गया।उपनिरीक्षक अजीत यादव के अनुसार वंदना कंजर तथा रानी कंजर पर अपराध धारा 34(1)(च) मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 का अपराध घटित होने से अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया।इसी क्रम में उन्होंने बताया कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायत पर लहार के बुद्धपुरा में नेहा प्रोविजन किराना स्टोर पर कार्यवाही की जिसमे आरोपी हरेंद्र शाक्य के

कब्जे से 19 क्वार्टर देशी मदिरा प्लेन के जप्त किये व धारा 34(1)आबकारी एक्ट का मामला दर्ज किया।उपनिरीक्षक अजीत यादव ने बताया कि बरामद मदिरा व गु? लहान की अनुमानित कीमत 124015/-रु है।इस प्रकार कुल 5 प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के कायम किये गए।उन्होंने बताया कि प्रकरणों में अज्ञात आरोपियों की तलाश जारी है।

10 दिन बाद लगातार तीसरी बार आबकारी विभाग की कार्यवाही

दबोह में कच्ची शराब पर कार्यवाही के चलते आबकारी उपनिरीक्षक अजीत यादव ने बताया कि लगातार नगर में कच्ची शराब के व्यापार की सूचना पुनः मिली जिसके बाद पुनः 10 दिन बाद कंजरों के डेरो पर दबिश दी गई और कार्यवाही की गई।यहां बता दें कि इससे पहले 25 सितंबर 2021 व 05 अक्टूबर 2021 को भी आवकारी विभाग की छापामार कार्यवाही हुई थी जिसमे कच्ची शराब को जप्त व गु? लहन को नष्ट किया गया था।उपनिरीक्षक अजीत यादव ने कहा कि क्षेत्र के गाँवो में भी अंग्रेजी व देशी शराब की बिक्री पाई जाती है तो उस पर भी मुखबिर की सूचना पर टीम बनाकर जल्द से जल्द कार्यवाही की जाएगी।

सम्पूर्ण कार्यवाही में यह रहे शामिल

अवैध कच्ची शराब के खिलाफ इस संपूर्ण कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक वृत लहार अजीत यादव,आबकारी आरक्षक धर्मेंद्र सिंह भदौरिया,आरक्षक 1002 कृष्णकुमार थाना दबोह की मुख्य भूमिका रही।

इनका कहना

1-कच्ची शराब बनाने वाले कंजरों पर लगातार कार्यबाही जारी है,अगर सूचना मिलती है तो पुनः कार्यबाही की जायेगी।हमने इससे पहले 25 सितंबर व 05 अक्टूबर को भी कार्यवाही की थी।

अजीत यादव
आबकारी उपनिरीक्षक

कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश ने खोली गोहद शिक्षा विभाग की पोल

मंहेद्र शर्मा,
रिपोर्टर ग्वालियर संभाग, पुष्पांजली टुडे

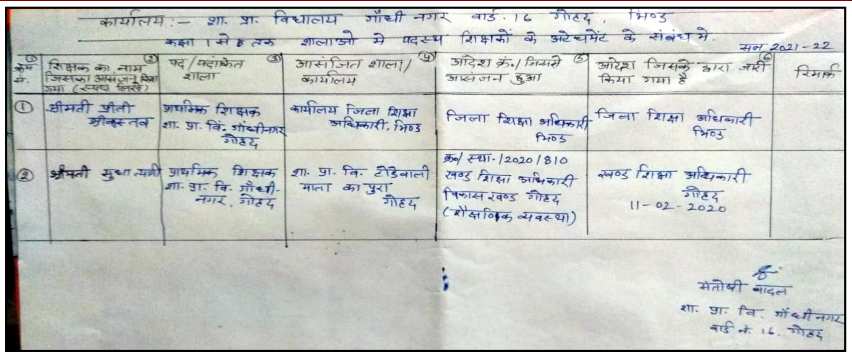

कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश ने खोली गोहद शिक्षा विभाग की पोल (अटैचमेंट के चलते नहीं पूरा हो पारा राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे कार्य) भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय महत्व का राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे कार्य संपूर्ण प्रदेश में चलाया जा रहा है जिसके तहत 12 नवंबर को एक साथ राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षा संपन्न की जानी है किंतु 2,000 /1920 में खंड शिक्षा अधिकारी एवं खंड स्रोत समन्वयक रहे शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के वर्तमान प्राचार्य द्वारा अपने निहित स्वार्थों एवं धन कमाने की लालसा के चलते चेन सिस्टम के द्वारा सैकड़ों की मात्रा में शिक्षकों को सुविधाजनक स्थानों पर भेजा है विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र में दूरस्थ पदस्थ शिक्षकों को पैसे लेकर शहरी क्षेत्रों में भेज दिया है यहां तक कि कुछ शिक्षकों को उनके मनचाहे स्थान से वेतन ही निकाल दिया है इनमें प्राचार्य की भी सहभागिता रही है जबकि बिना मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित ट्रांसफर नीति के चलते किसी शिक्षक का वेतन दूसरी संस्था से नहीं निकाला जा सकता है वह तो ट्रांसफर द्वारा ही संभव है लेकिन गोहद में यह सब प्रत्यक्ष देखने को मिलता है आईटी द्वारा भी इसकी जानकारी चाही गई तो प्राचार्य द्वारा अटैचमेंट व्यवस्था नहीं होना बताए जाने पर वर्तमान खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा भी यह जानकारी दी गई की गोहद तहसील में किसी प्रकार

कार्यालय :- शा. प्रा. विद्यालय गाँधी नगर वार्ड. 16 गोहद, भिण्ड
कक्षा 1 से 8 तक शालाओ मे पदस्थ शिक्षकों के अटेचमेंट के संबंध मे.
सन 2021-22

क्रम सं.	शिक्षक का नाम जिसका आसंजन किया गया (स्पष्ट लिखे)	पद/पदांकित शाला	आसंजित शाला/कार्यालय	आदेश क्रं./जिससे आसंजन हुआ	आदेश जिसके द्वारा जारी किया गया है	रिमार्क
1	श्रीमती प्रीती श्रीवास्तव	प्राथमिक शिक्षक शा. प्रा. वि. गांधीनगर गोहद	कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, भिण्ड	जिला शिक्षा अधिकारी भिण्ड	जिला शिक्षा अधिकारी भिण्ड	
2	श्रीमती सुधा त्यागी	प्राथमिक शिक्षक शा. प्रा. वि. गाँधी-नगर, गोहद	शा. प्रा. वि. टौंडेवाली माता का पुरा गोहद	क्र/स्था./2020/810 खण्ड शिक्षा अधिकारी विकासखण्ड गोहद (शैक्षणिक व्यवस्था)	खण्ड शिक्षा अधिकारी गोहद 11-02-2020	

संतोषी बादल
शा. प्रा. वि. गाँधीनगर
वार्ड नं. 16. गोहद

का कोई अटैचमेंट नहीं जबकि वर्तमान में राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे के जैसे महत्वपूर्ण कार्य की पूर्णता के लिए कलेक्टर महोदय एवं जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जैसे ही पत्र भेजा गया वैसे ही 2019/ 2020 से वर्तमान तक के अटैचमेंट की लंबी फेहरिस्त सामने आने लगी जिसमें चेन सिस्टम से एक विद्यालय से दूसरे विद्यालय ग्रामीण से शहरी और शहरी से ग्रामीण इच्छा अनुसार अटैचमेंट विभिन्न नामों से किए गए जिनमें शैक्षणिक व्यवस्था ,कार्यालय सहयोग ,एवं अन्य नाम दिए गए हैं इतना ही नहीं कुछ शिक्षकों को विद्यालय न जाना पड़े इसलिए विभिन्न विभिन्न प्रकार के प्रभार भी दिए गए हैं वर्तमान तक जो नाम सामने आए हैं श्रीमती प्रीति गांधीनगर से भिंड, सुधा त्यागी गांधीनगर से टुडे वाली माता क्षमा मिश्रा भगवा सांसे प्राथमिक बजरंग गोहद मधुमिता एकीकृत विद्यालय गोहदी से गुरीखा ,सुबोध भदोरिया बड़े बाजार से तोड़े वाली माता धर्मेंद्र सिंह माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 से कन्या गोहद वीरेंद्र कुमार शुक्ला माध्यमिक आलोरी से शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोहद ,इत्यादि नाम सामने आए हैं शीघ्र ही पूरी की पूरी सूची सामने आएगी अब देखना यह है की शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन एवं वरिष्ठ अधिकारी इस संदर्भ में क्या कार्रवाई करते हैं।

(विचार-मंथन)

शिक्षकों की कमी

सिद्धार्थ शंकर

(लेखक- सिद्धार्थ शंकर)

यूनेस्को ने एक बार फिर भारत में शिक्षा की स्थिति और शिक्षकों की कमी को लेकर चिंता जताई है। यह कमी इतने वर्षों से चल रही है कि जब-जब ऐसे सर्वेक्षण या विश्लेषण देश के समक्ष आते हैं तो उसमें नई बात नहीं लगती। एक लाख स्कूलों में केवल एक शिक्षक और ग्यारह लाख शिक्षकों के पदों रिक्त होना देश में ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मनाक माना जाना चाहिए। भारत आज इतना संसाधान-विहीन देश तो नहीं है कि वह बच्चों के लिए शिक्षा की समुचित व्यवस्था न कर सके। शिक्षकों की कमी की समस्या की जड़ें काफी गहरी हैं। इसके लिए कौन और कितना जिम्मेवार है, यह कोई छिपा तथ्य नहीं है। इलाहबाद उच्च न्यायालय ने 19 अगस्त, 2015 को एक आदेश में कहा था कि उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव अगले छह महीने में योजना तैयार करें कि कैसे सरकारी खजाने से वेतन लेने वाले हर व्यक्ति के बच्चे केवल सरकारी स्कूलों में पढ़ेंगे! सभी जानते थे कि ऐसा होगा नहीं, क्योंकि एकजुट होकर संभ्रांत और सरकारी व्यवस्था इसे होने नहीं देगी! और ऐसा ही हुआ भी। यही वर्ग सरकारी स्कूलों की मौजूदा स्थिति, साख की कमी और सामान्य-जन के अविश्वास के लिए पूरी तरह उत्तरदायी है। जब संभ्रांत वर्ग के बच्चों के लिए निजी स्कूल उपलब्ध हैं और वहां पढ़ाने के लिए शिक्षा-भत्तों के प्रावधान उपलब्ध हैं, तो फिर यह वर्ग सरकारी स्कूलों की फिक्र क्यों करेगा! नई शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के समय इस सच्चाई को स्वीकार करना सभी के और देश के हित में होगा। नई शिक्षा नीति विश्वास दिलाती है कि हर बच्चे को ऐसे स्कूल में शिक्षा मिलेगी जहां बुनियादी सुविधाएं होंगी, उचित छात्र-शिक्षक अनुपात में पूर्णकालिक, नियमित और प्रशिक्षित शिक्षक होंगे। वस्तुस्थिति यह है कि चार दशक से कई राज्यों ने नियमित पूर्णकालिक शिक्षकों की जगह विभिन्न पदनामों से अंशकालिक-अनियमित शिक्षक थोड़े से मानदेय पर नियुक्त करने का चलन बना लिया। इससे नियमित शिक्षकों के सेवानिवृत होने के साथ नियमित पद खाली होते गए। नौकरशाही को यह व्यवस्था बहुत रास आई। जब कोई देश शिक्षा जैसे महत्त्वपूर्ण और संवेदनशील विषय पर फैसले केवल नौकरशाहों पर छोड़ देता है तब ऐसी घातक परिस्थितियां पैदा होती हैं। देश में धीरे-धीरे शैक्षिक और अकादमिक नेतृत्व के स्थान पर सिविल सेवा के अधिकारी स्कूल बोर्ड, पाठ्यपुस्तक बोर्डों, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) जैसी संस्थाओं में शीर्ष पदों पर सुशोभित होने लगे। यह क्यों होता गया, इसे जानना जरूरी है। क्या भारत की सिविल सेवा यह जिम्मेदारी स्वीकार करेगी कि आज जो विसंगतियां शिक्षकों की नियुक्तियों को लेकर उत्पन्न हुई हैं, उसकी जिम्मेवारी केवल उसकी और उसकी ही है? शिक्षकों कि नियुक्ति, पदस्थापना और प्रशिक्षण को लेकर अनेक समस्याएं समय-समय पर ध्यान आकर्षित करती रही हैं। 1986 में बनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करते वक्त यह तय हुआ था कि देश में कोई भी ऐसा स्कूल नहीं होगा जिसमें कम से कम दो शिक्षक न हों। %आपरेशन ब्लैकबोर्ड' नाम की परियोजना के अंतर्गत केंद्र सरकार ने सभी राज्य सरकारों से आंकड़े मांगे और उसके आधार पर लगभग साढ़े पांच लाख प्राथमिक विद्यालयों को भवन निर्माण, शिक्षण सामग्री आदि के साथ एक लाख चौंतीस हजार शिक्षकों की नियुक्ति के लिए धनराशि मुहैया कराई। पैसा तो केंद्र का था, मगर सारे काम तो राज्य सरकारों को ही करने थे, जिनमें शिक्षकों की नियुक्ति, विद्यालयों में कमरे बनवाना, शिक्षण सामग्री की खरीद जैसे काम शामिल थे। पर कुछ वर्ष बाद अधिकांश राज्यों को जांच समितियां बनाने को मजबूर होना पड़ा और सारी परियोजनाएं लक्ष्यों से दूर होती चली गईं। आज संचार तकनीक ने पर्यवेक्षण में अनेक सार्थक सुधार कर दिए हैं। अब वह सब संभव हो गया है जो पहले जानना और सुधारना कठिन था। लेकिन आज भी स्कूल का ठीक से चलना अधिकारियों की ईमानदारी, कर्तव्य-निष्ठा, समर्पण के परिमाण पर ही निर्भर करता है।

भारत में भी मज़हबी नशा

लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक

कल मैंने पाकिस्तान और बांग्लादेश के साम्प्रदायिक दंगों पर इन दोनों पूर्व-भारतीय देशों की बदनामी का जिक्र किया था लेकिन कल दिल्ली की सिंघु-सीमा पर हुई नृशंस हत्या ने तो भारत को भी उसी श्रेणी में ला खड़ा किया है। यदि पाकिस्तान और बांग्लादेश जिन्ना और मुजीब को शीर्षासन करवा रहे हैं तो भारत गांधी को शीर्षासन करवा रहा है। बांग्लादेश में चल रही हिंसा का कारण कुरान के प्रति बेअदबी को बताया जा रहा है तो सिंघु बार्डर पर हुए एक अनुसूचित मजदूर की हत्या का कारण गुरु ग्रंथसाहब के प्रति उसकी बेअदबी को बताया जा रहा है। किसी धर्मग्रंथ या धर्मध्वजी या श्रद्धेय का अपमान करना सर्वथा अनुचित है। उनका अपमान उनके माननेवालों का अपमान है। यह उनके दिल को दुखाने का काम है। किसी धर्मग्रंथ या किसी महापुरुष का अपमान करके आप उसके अनुयायियों का न तो दिल जीत सकते हैं और न ही उनको डरा सकते हैं। लेकिन ऐसा करनेवाले की हत्या करना या उन्हें लंबी-चौड़ी सजा देना भी मेरी विनम्र राय में उचित नहीं है। ईसा मसीह ने तो उन्हें सूली पर लटकानेवाले लोगों के लिए ईश्वर को कहा था कि आप इन्हें माफ कर दीजिए, क्योंकि इन्हें पता नहीं है कि ये क्या कर रहे हैं। खुद पैगंबर मुहम्मद साहब उस यहूदी महिला की सेवा में जाकर जुट गए, जो रोज़ उन पर कूड़ा फेंकती थी। महर्षि दयानंद ने अपने रसोइए जगन्नाथ को 500 रु. कल्दार दिए और नेपाल भाग जाने के लिए कहा, क्योंकि उन्हें ज़हर देने के अपराध में पुलिस उसको पकड़ सकती थी। ये अदभुत उदाहरण हैं– महापुरुषों के लेकिन उनके अनुनायियों की अंधभक्ति देखिए कि किसी धर्मग्रंथ के खातिर वे किसी भी आदमी की जान लेने को तैयार हो जाते हैं। क्या ईसा मसीह, पैगंबर मुहम्मद, महर्षि दयानंद और गुरु नानक महाराज इस तरह के जघन्य कृत्य का समर्थन करते? कतई नहीं। लेकिन निहंग सिखों ने मिलकर यह काम कर दिया। उनका गुस्सा स्वाभाविक है। जिस व्यक्ति ने उस अनुसूचित मजदूर की हत्या की है, उसे महानायक बनाकर उसका जुलूस निकाला गया और उसने स्वयं जाकर पुलिस थाने में समर्पण किया याने उस हत्या को निहंग लोग पुण्य-कार्य की श्रेणी में ले गए हैं लेकिन यह हत्या इतनी भयंकर थी कि इस तरह के हत्याकांड तो पाकिस्तान और बांग्लादेश में भी नहीं होते। हत्यारे ने 'दोषी' के पहले हाथ काटे, फिर पांव काटे और फिर मार डाला। हमारे निहंगों ने गांधी के भारत को जिन्ना के पाकिस्तान और मुजीब के बांग्लादेश से भी ज्यादा नीचे गिरा दिया। उनका यह कुकृत्य उस अहिंसक किसान आंदोलन के लिए भी एक बदनुमा धब्बा बन गया है, जो अब तक सिंघु बार्डर पर शांतिपूर्वक चल रहा था। समझ में नहीं आता कि भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश में मध्यकालीन यूरोप की तरह छाया हुआ यह मजहबी नशा कब और कैसे दूर होगा? जब तक इस मजहबी नशे से भारत मुक्त नहीं होगा, वह आधुनिक नहीं बन पाएगा।

जिन्ना और मुजीब को शीर्षासन

लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक

पड़ौसी देशों में मजहबी कट्टरवाद ने सारी दुनिया में उनकी छवि खराब कर रखी है। ये दो पड़ौसी कौन हैं। एक है- पाकिस्तान और दूसरा है बांग्लादेश। ये दोनों कौन थे? ये दोनों भारत ही थे, अभी 74 साल पहले तक! दोनों मजहब के नाम पर 1947 में भारत से अलग हो गए लेकिन देखिए इनकी खूबी कि वह मजहब इन्हें एक बनाकर नहीं रख सका। 1971 में पूर्वी पाकिस्तान बांग्लादेश बन गया लेकिन दोनों देश आज भी मजहब के पांव तले दबे हुए हैं। न तो पाकिस्तान की जनता को मोहम्मदअली जिन्ना का वह भाषण याद है कि अब इस आजाद पाकिस्तान में हिंदू-मुसलमान का कोई भेदभाव नहीं चलेगा और न ही बंगाली मुसलमानों को शेख मुजीब का 'बांग्ला सर्वोपरि' का नारा याद है। दोनों देशों में इस्लाम के नाम पर जोर-जबर्दस्ती और हिंसा करने में कई लोगों को कोई संकोच नहीं होता। सारी दुनिया में हो रही इस बदनामी से बचने के लिए इमरान खान के दल 'पाकिस्तान तहरीके-इंसाफ' ने संसद में एक विधेयक पेश किया, जिसमें यह प्रावधान था कि जो भी जबरन धर्मांतरण करता हुआ पाया जाए, उसे 10 साल की सजा हो और उस पर दो लाख रु. जुर्माना ठोका जाए। खुद इमरान खान इसका समर्थन कर रहे थे लेकिन कट्टरपंथियों ने इतना जबर्दस्त दबाव उनकी सरकार पर डाला कि उसे इस विधेयक को वापस लेना पड़ गया है। धार्मिक मामलों के मंत्री नूरूल हक कादिरी ने कहा है कि यदि यह कानून बन जाता तो देश में शांति और व्यवस्था चौपट हो जाती। मंत्री का यह बयान क्या बताता है? क्या यह जिन्ना को शीर्षासन नहीं करवा रहा है? क्या जिन्ना ने ऐसे ही पाकिस्तान का सपना देखा था? उधर बांग्लादेश का हाल जरा पाकिस्तान से बेहतर है लेकिन अब भी वह पाकिस्तानी पूर्वाग्रहों से मुक्त नहीं हो पाया है। कल की बड़ी खबर यह है कि बांग्लादेश के कई शहरों और गांवों में जबर्दस्त मजहबी मुठभेड़ें हुई हैं और उनमें चार लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। यह मुठभेड़ इसलिए हुई कि बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदू लोग दुर्गा-पूजा का त्यौहार काफी उत्सवपूर्वक मनाते हैं। इस मौके पर यह अफवाह फैल गई कि किसी मंदिर में कुरान शरीफ का अपमान किया गया है। बस, फिर क्या था? सैकड़ों-हजारों लोग सड़कों पर उतर आए और दुर्गा-पूजकों पर टूट पड़े। यह संतोष का विषय है कि शेख हसीना सरकार ने बड़ी मुस्तैदी दिखाई और हमलावरों की उसने हवा ढीली कर दी। माना जा रहा है कि 'जमाते-इस्लामी% की ही यह करतूत थी। उसे यह बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं है कि दुर्गा-पूजा के नाम पर बांग्लादेश में हजारों पंडाल सजाए जाएं। जमात का नारा तो यह है कि 'हम ढाका को काबुल बनाएंगे।' लेकिन जब तक शेख हसीना बांग्लादेश की प्रधानमंत्री हैं, वे इन कट्टरपंथियों की दाल नहीं गलने देंगी। वे अपने महान पिता शेख मुजीब की परंपरा को उलटाने नहीं देंगी।

लेखक- डॉ नीलम महेन्द्र

अधिकार असीमित नहीं हो सकते

कहने को भारत एक ऐसा देश है जो संविधान से चलता है लेकिन जब देश के सुप्रीम कोर्ट को यह कहना पड़ता है कि वो जांच करेगा कि ÷क्या विरोध करने का अधिकार एक पूर्ण अधिकार है÷ तो लगता है कि हम आज भी गुलाम हैं।

गुलाम हैं उस सत्तालोलुप वोटबैंक की राजनीति के जिसे अपने स्वार्थ के आगे कुछ नहीं दिखता। गुलाम हैं उस स्वार्थी सोच के जो संविधान द्वारा दिए गए हमारे अधिकारों के बारे में हमें समय समय पर जागरूक करती है लेकिन देश के प्रति हमारे दायित्वों का कर्तव्यबोध हमें होने नहीं देती।

गुलाम हैं उन विपक्षी दलों की मेहत्वकांक्षाओं की जो उन्हें संसद की हारी लड़ाई सड़क पर जीतने का मार्ग दिखा देती है। यह विषय इसलिए गम्भीर हो जाता है कि हमारी यह गुलामी कभी 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय गौरव के दिन देश को हिंसा की आग में झोंक देती है तो कभी लखीमपुर जैसे घटनाओं को अंजाम देती है। अतः निश्चित रूप से यह चिंता और चिंतन दोनों का ही विषय होना चाहिए।

क्योंकि लखीमपुर जैसी घटनाएं इस बात की गवाह हैं कि आज की राजनीति में येन केन प्रकारेण सत्ता हासिल करने और अपनी राजनैतिक रोटियां सेंकने के लिए किसी बेगुनाह के परिवार के घर का चूल्हा बुझाने से भी परहेज नहीं किया जाता। विडंबना की पराकाष्ठा यह है कि संविधान की दुहाई देकर उन कृषि कानूनों का विरोध किया जा रहा है जो संसद के दोनों सदनों से पारित हो कर आए हैं।

लोकतंत्र और अधिकारों के नाम पर इस प्रकार की घटनाएं इस देश के लिए नई नहीं हैं इसलिए अब समय आ गया है कि अधिकारों की भी सीमा तय की जाए। दरअसल हमें यह समझना होगा कि कोई भी शक्ति असीमित नहीं होती। सृष्टि की हर चीज़ में उर्जा होती है चाहे वो एक निर्जीव वस्तु हो या फिर कोई सजीव प्राणी लेकिन वो रचनात्मक तभी होती है जब उसकी एक सीमा होती है। किंतु यदि इन शक्तियों की कोई सीमा न हो तो वो विनाशकारी सिद्ध होती हैं।

उदाहरण के तौर पर, जो भोजन हम खाते हैं उसका हर अंश एक निश्चित मात्रा में हमें ऊर्जा देता है तब ही वो हमें पोषित कर पाता है । इसी प्रकार एक स्कूटर या एक बाइक या एक कार या प्लेन या ट्रेन सभी की स्पीड की भी एक सीमा है तभी हम इन्हें नियंत्रित कर पाते हैं। अगर इनकी स्पीड की सीमा न हो तो चलाने वाला इन पर नियंत्रण नहीं रख पाएगा और दुर्घटना हो जाएगी।

ऐसे ही सीमाओं में प्रकृति भी बंधी है। जब तक नदी अपनी सीमा में रहती है वो जीवनदायिनी होती है लेकिन जैसे ही वो अपनी सीमा को लाँघ देती है वो प्रलयकारी बन जाती है। स्पष्ट है कोई भी शक्ति सीमा में ही रचनात्मक होती है, असीमित शक्ति विध्वंस का ही कारण होती है। इसलिए शक्तियों की सीमा निर्धारित करना अत्यंत आवश्यक है। आज मोबाइल और इंटरनेट का जमाना है। विभिन्न कम्पनियां अनलिमिटेड फोन और डेटा के अनेक आफर निकालती हैं लेकिन क्या वो वाकई में अनलिमिटेड होते हैं? नहीं उन सब की एक सीमा होती है। तो फिर हमारे अधिकार असीमित कैसे हो सकते हैं?

लेकिन इसे क्या कहा जाए कि संवैधानिक अधिकारों के नाम पर दूसरी बार इस देश की राजधानी की सड़कें बाधित हैं।

विगत लगभग 10 माह से देश की राजधानी दिल्ली की सड़कें अवरुद्ध हैं और सड़क खोलने का यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि किसी सड़क को हमेशा के लिए कब्ज़ा नहीं किया जा सकता। लोकतंत्र और संविधान द्वारा प्रदत्त विरोध के अधिकार के नाम पर विगत इतने लम्बे समय से विरोध प्रदर्शन कर रहे किसान संगठनों से सुप्रीम कोर्ट ने कई सवाल भी पूछे हैं।

दरअसल किसानों के एक संगठन किसान महापंचायत ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दिल्ली के जंतर मंतर पर ÷सत्याग्रह÷ करने की अनुमति मांगी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कृषि कानूनों की वैधता को चुनौती देने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाए जाने के बाद विरोध प्रदर्शन का सवाल ही कहाँ उठता है।

जब किसान संगठन पहले ही विवादित कृषि कानूनों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख कर चुके हैं तो आंदोलन जारी रखने और सत्याग्रह करने का क्या तुक है। जब आपने कोर्ट का रुख किया है तो अदालत पर भरोसा रखिए। अदालत पहुंचने के बाद प्रोटेस्ट का क्या मतलब है? क्या आप ज्यूडिशियल सिस्टम के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं?शीर्ष अदालत ने जब तीनों कानूनों पर रोक लगा दी है और ये अधिनियम लाग नहीं हुए हैं जो आप किस चीज़ के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं? सर्वोच्च अदालत ने किसान संगठनों से एक महत्वपूर्ण बात भी कही कि अब आप एक रास्ता चुनें, कोर्ट का, संसद का, या सड़क पर प्रदर्शन का। उम्मीद है कि कृषि कानूनों के इस तथाकथित विरोध प्रदर्शन से देश में एक महत्वपूर्ण विमर्श को गति मिले। ताकि देशहित में अधिकारों की सीमा को इस प्रकार निर्धारित किया जाए जो देश के प्रति कर्तव्यबोध के प्रति भी जागरूक करे।

जन्नत बना जहन्नुम

- ओमप्रकाश मेहता

गैर मुस्लिम विरोध.... पाक की राह पर कश्मीर....?

आज का सबसे अहम् सवाल यह है कि क्या कश्मीर भी पाकिस्तान की राह पर चल रहा है? पाक में जिस तरह गैर मुस्लिमों का विरोध वहां की नीति में शामिल कर लिया गया है, क्या उसी तरह कश्मीरियों ने भी गैर मुस्लिमों को प्रताड़ित कर उन्हें कश्मीर सीमा से खदेड़ने या उनकी हत्या करने का संकल्प ले लिया है? एक राष्ट्रीय अखबार ने तो यहां तक लिखा है कि आतंकवादियों के नाम पर यह कार्य स्वयं कश्मीरी ही कर रहे हैं।

भारत की आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर के विरष्ठ नेता शेख अबदुल्ला व जिन्ना के दबाव में आकर पण्डित जवाहर लाल नेहरू व महात्मा गांधी ने भारत का विभाजन कर पाकिस्तान बनाने का तय किया था, तब इन नेताओ के बीच यह तय हुआ था कि जम्मू-कश्मीर में जनमत संग्रह करवाने के बाद इस क्षेत्र का भविष्य तय होगा कि इसे भारत में रखना है या पाकिस्तान में? किंतु चूंकि पंडित नेहरू यह जानते थे कि आम कश्मीरी की सहानुभूति पाकिस्तान के साथ है, इसलिए उन्होंने और उनके वारिस प्रधानमंत्रियों ने आज तक जनमत संग्रह नहीं होने दिया और इसी कारण जम्मू-कश्मीर आज भी भारत का अंग है, किंतु यह आज की भी सच्चाई है कि कश्मीर का हर मुस्लिम कश्मीरी मानसिक रूप से आज भी अपने आपको पाक से ही जुड़ा मानता है, उसे भारत या उसकी किसी भी हरकत से कोई लेना देना नहीं है, इसीलि, आज चाहे फारूक अब्दुल्ला हो या महबूबा मुती या कोई और नेता, सभी की पूरी सहानुभूति पाक के प्रति ही है, यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कुछ माह पूर्व बुलाई गई कश्मीरी नेताओं की बैठक में भी उजागर हो गई थी और अब जब से जम्मू-कश्मीर से धारा-370 खत्म की गई है तब से तो कश्मीरी नेताओं की भारत व यहां की मौजूदा सरकार से और अधिक नाराजी बढ़ गई है। यह इसी तथ्य से उजागर हो जाता है कि पाक के आतंकवादियों को कश्मीरियों का हर तरीके से सहयोग प्राप्त हो रहा है और अब जो कश्मीर में गैर मुस्लिमों की हिंसा का दौर शुरू हुआ है, उसमें भी स्थानीय कश्मीरियों का पूरा योगदान है। अब जिस तरह पाकिस्तान में गैर मुस्लिम हिन्दू या सिख अपने आपको सुरक्षित महसूस नहीं करता और पाक छोड़ने का अभियान शुरू कर दिया है, उसी की पुनरावृत्ति अब कश्मीर में होने लगी है, वहां गैर मुस्लिमों में भय की भावना इस कदर हावी हो गई है कि शाम पांच बजे गैर मुस्लिम अपना कारोबार बंद करके अपने घरों में कैद होने लगे है, साथ ही अब तो वे कश्मीर से पलायन करने का भी मौका खोज रहे है, पिछले एक सप्ताह में करीब पांच सौ हिन्दू व सिख परिवारों ने कश्मीर छोड़ दिया और वे जम्मू में सड़कों की खाक छानने और भीख मांग कर अपना परिवार पालने को मजबूर है।

इसी संदर्भ में यहां यह भी उल्लेखनीय है कि करीब पच्चीस साल पहले बीस लाख कश्मीरी पण्डितों को कश्मीरियों और वहां की तत्कालीन सरकार ने उत्पीड़ित कर कश्मीर छोड़ने को मजबूर कर दिया था और उनके मकान व अन्य स्थाई सम्पतियों पर कश्मीरियों ने कब्जा कर लिया था ये बीस लाख कश्मीरी पण्डित अपना घरबार छोड़कर जम्मू अ ने को मजबूर हो गए थे।

2014 के लोकसभा चुनावों के समय भारतीय जनता पार्टी ने जो अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी किया था, उसमें उल्लेख किया गया था कि यदि भाजपा की सरकार देश में बनती है तो सभी निष्कासित कश्मीरी पण्डितों को वापस सम्मान पूर्वक कश्मीर में बसाया जाएगा और उनकी छीनी हुई सम्पत्ति भी वापस लौटाई जाएगी, किंतु आज मोदी जी की सरकार के सात साल पूरे होने के बावजूद कश्मीरी पण्डितों की बदहाली वैसी ही है और अब जो वहां गैर मुस्लिमों के प्रति माहौल तैयार किया गया है, उसे लेकर कश्मीरी पण्डित और अधिक निराश व चिंतित है। वह समझ नहीं पा रहा है कि उसके परिवार व बच्चों का भविष्य क्या व कैसा होगा?

आम कश्मीरी मुसलमान वैसे ही परम्परागत रूप से भारत सरकार से नाराज ही था और अब जम्मू-कश्मीर से धारा-370 खत्म करने के मोदी सरकार के कदम से आम कश्मीरी की भाजपा व मोदी सरकार के प्रति और अधिक नाराजी बढ़ गई है और इसीलिए अब कश्मीर में आतंकवादी हिंसा की वारदातों में भी इजाफा होने लगा है।

....और अब यह आग सैना शांत नहीं कर सकती, क्योंकि पाक आतंकवादियों के प्रति स्थानीय लोगों की सहानुभूति है, इसे खत्म करने के लिए सरकार को कश्मीरियों का किसी भी तरह से विश्वास जीतना होगा और यह काम कट्टर हिन्दुत्व भावना के चलते संभव नहीं होगा।

स्वच्छता जीवनशैली है, स्वच्छता जीवन मंत्र है

लेखक-सच्चिदानंद शेकटकर

महात्मा गाँधी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसी शख्सियत हैं जिनने प्रारंभ से ही स्वच्छता को महत्व दिया और उनने स्वच्छता को जैसे अपना मिशन ही बना लिया है। ये मोदी ही हैं जिनने देश के शहरों में स्वच्छता की बड़ी प्रतिस्पर्धा शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री मोदी का कहना है कि हमें ये याद रखना है कि स्वच्छता, एक दिन का, एक पखवाड़े का, एक साल का या कुछ लोगों का ही काम है, ऐसा नहीं है। स्वच्छता हर किसी का, हर दिन, हर पखवाड़े, हर साल, पीढ़ी दर पीढ़ी चलने वाला महाअभियान है। स्वच्छता जीवनशैली है, स्वच्छता जीवन मंत्र है। स्वच्छ भारत अभियान और अमृत मिशन की अब तक की यात्रा हर देशवासी को गर्व से भर देने वाली है।

पीएम मोदी ने साल 2014 में देशवासियों के साथ भारत को खुले में शौच से मुक्त करने का संकल्प लिया था। 10 करोड़ से ज्यादा शौचालयों के निर्माण के साथ देशवासियों ने ये संकल्प पूरा किया। अब स्वच्छ भारत मिशन-अर्बन 2.0 का लक्ष्य है कचरा मुक्त शहर, कचरे के ढेर से पूरी तरह मुक्त शहर बनाना है। अमृत मिशन देशवासियों की और मदद करने वाला है। शहरों में शत-प्रतिशत लोगों की साफ पानी तक पहुँच हो, शहरों में सीवेज का बेहतरीन प्रबंधन हो, इस दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। मिशन अमृत के अगले चरण में देश का लक्ष्य है-सीवेज और सेप्टिक मैनेजमेंट बढ़ाना, अपने शहरों को जल सुरक्षित शहर बनाना और ये सुनिश्चित करना कि हमारी नदियों में कहीं पर भी कोई गंदा नाला न गिरे।

स्वच्छ भारत अभियान और अमृत मिशन की अब तक की यात्रा वाकई हर देशवासी को गर्व से भर देने वाली है। इसमें मिशन भी है, मान भी है, मर्यादा भी है, एक देश की महत्वाकांक्षा भी है और मातृभूमि के लिए अप्रतिम प्रेम भी है। देश ने स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से जो हासिल किया है वो हमें आश्वस्त करता है कि हर भारतवासी अपने कर्तव्यों के लिए कितना संवेदनशील है। हर सफलता में भारत के हर नागरिक का योगदान है, सबका परिश्रम है, सबका पसीना है। हमारे स्वच्छताकर्मी, हमारे सफाई मित्र हर रोज झाड़ू उठाकर सड़कों को साफ करने वाले हमारे भाई-बहन कूड़े के बदबू को बर्दास्त करते हुए कचरा साफ करने वाला हमारे साथी सच्चे अर्थ में इस अभियान के महानायक हैं।

पीएम मोदी बाबा साहेब का भी जिक्र करते हुए कहते हैं कि उन्होंने कहा कि बाबा साहेब, असमानता दूर करने का बहुत बड़ा माध्यम शहरी विकास को मानते थे। बेहतर जीवन की आकांक्षा में गांवों से बहुत से लोग शहरों की तरफ आते हैं। हम जानते हैं कि उन्हें रोजगार तो मिल जाता है लेकिन उनका जीवन स्तर गांवों से भी मुश्किल स्थिति में रहता है। ये उन पर एक तरह से दोहरी मार की तरह होता है। एक तो घर से दूर, और ऊपर से ऐसी स्थिति में रहना। इस हालात को बदलने पर, इस असमानता को दूर करने पर बाबा साहेब का बड़ा जोर था। मोदी का स्वच्छ भारत मिशन और मिशन अमृत का अगला चरण, बाबा साहेब के सपनों को पूरा करने की दिशा में भी एक अहम कदम है।

करुणा के दोहे

लेखक-प्रो(डॉ)शरद नारायण खरे

सेवा में सद्भाव समाहित,कर्मों का सम्मान है।
सेवा से जीवन की शोभा,मिलता नित यशगान है।।
दीन-दुखी के अश्रु पौंछकर,
जो देता है सम्बल
पेट है भूखा,तो दे रोटी,
दे सर्दी में कम्बल
अंतर्मन में है करुणा तो,मानव गुण की खान है।
सेवा से जीवन की शोभा,मिलता नित यशगान है।।
धन-दौलत मत करो इकट्ठा,
कुछ नहिं पाओगे
जब आएगा तुम्हें बुलावा,
तुम पछताओगे
हमको निज कर्त्तव्य निभाकर,पा लेनी पहचान है।
सेवा से जीवन की शोभा,मिलता नित यशगान है।।
शानोशौकत नहीं काम की,
चमक-दमक में क्या रक्खा
वहीं जानता सेवा का फल,
जिसने है इसको चक्खा
देव नहीं,मानव कहलाऊँ,यही आज अरमान है।
सेवा से जीवन की शोभा,मिलता नित यशगान है।।

राशिफल

शुभ संवत 2078, शाके 1943, सौम्य गोष्ठ, आश्वनि शुक्ल पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पश्चिमें तिथि द्वादशी, रविवासरे, शतभिषा नक्षत्रें, वृद्धि योगे, वल करणे, कुंभ की चंद्रमा, त्रिपुस्कर योग, व्यापार, पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, शिक्षक-शिक्षाविद्, शिक्षाशास्त्री, मठाधीश होगा।

मेष :- आशानुकूल सफलता से संतोष, सफलता के साधन अवश्य बन ही जायेंगे।

वृष :- समय ऐशोआराम से बीतेगा, व्यवसायिक क्षमता, कार्यकुशलता में वृद्धि होगी।

मिथुन :- अधिकारियों का समर्थन फलप्रद होगा किन्तु इष्ट मित्रों से अशांति परेशानी अवश्य बनेगी।

कर्क :- इष्ट-मित्र सुखवर्धक होंगे, कुटुम्ब की समस्याएं सुलझेंगी, धैर्य रखकर कार्य बना लेंगे।

सिंह :- प्रतिष्ठा वृद्धि एवं बड़े लोगों से मेल-मिलाप हर्षप्रद होगा, समय सुविधा का ध्यान रखें।

कन्या :- मान-प्रतिष्ठा प्रभुत्व वृद्धि, कार्यक्षमता बढ़े, समाज में प्रतिष्ठा के योग बनेंगे।

तुला :- मान-प्रतिष्ठा प्रभुत्व वृद्धि, कार्यक्षमात व्यवसायिक क्षमता अनुकूल बन जायेगी।

वृश्चिक :- अधिकारियों का समर्थन फलप्रद होगा, समाज में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु :- अचानक कोई शुभ समाचार मिले, कार्यगति में सुधार होगा तथा चिन्ताएं कम हेंगी, समय का ध्यान रखें।

मकर :- स्थिति यथावत रहे, समय पर सोचे हुए कार्य बनेंगे, कार्यवृत्ति में सुधार होगा।

कुम्भ :- इष्ट-मित्र सुखवर्धक होंगे, शरीर-कष्ट, चिन्ता तथा असमंजस की स्थिति बनेगी, ध्यान रखें।

मीन :- इष्ट-मित्र सहायक रहें, दैनिक-कार्यगति में अनुकूलता अवश्य ही बन जायेगी।

ड़ॉ पीएल गौतमाचार्य // मोनिका

स्वीडन के वैज्ञानिकों ने खोजा मच्छरों को मारने का नया तरीका, बनाया खास तरह का चुकंदर

मच्छरों को भी जहर देकर मारा जा सकता है। स्वीडन के वैज्ञानिकों ने ऐसा ही प्रयोग किया है। मलेरिया के मामले घटाने के लिए मच्छरों को जहरीला चुकंदर का जूस पिलाया गया। मच्छरों ने इसे इंसानी खून समझकर पिया और कुछ ही समय में उनकी मौत हो गई।

यह प्रयोग स्वीडन की कंपनी मॉलिकुलर अट्रैक्शन ने किया है। कंपनी का कहना है, वर्तमान में मच्छरों को कंट्रोल कर पाना मुश्किल होता जा रहा है, लेकिन नए प्रयोग से मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों की संख्या को घटाना आसान हो सकेगा।

ऐसे किया प्रयोग, 3 पॉइंट्स में समझें

ऐसे मरीज जो मलेरिया से जूझ रहे हैं, उनके ब्लड में मॉलिक्यूल पाया जाता है। यह मॉलिक्यूल खास तरह की गंध छोड़ता है, जिससे मच्छर आकर्षित होते हैं और इंसान का अधिक खून पीते हैं।

वैज्ञानिकों ने इसी खूबी को इस्तेमाल करते हुए मच्छरों को मात देने के लिए प्रयोग किया। इसके लिए चुकंदर के जूस में HMBPP मॉलिक्यूल और पौधे से निकाला गया खास तरह जहर मिलाया गया।

यह मिश्रण तैयार होने के बाद मच्छर इसकी तरफ आकर्षित हुए और इस लिक्विड को अधिक पिया। कुछ ही समय बाद इसे पीने वाले सभी मच्छर मर गए।

कीट-पतंगों की दूसरी प्रजाति को आकर्षित नहीं करता।

कंपनी का कहना है, HMBPP मॉलिक्यूल की खास बात है कि ये दूसरों कीट-पतंगों को आकर्षित नहीं करता। इसलिए मच्छरों को खत्म करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। अन्य हानिकारक कीटनाशकों की तुलना में मच्छरों को खत्म करने के लिए इस मिश्रण की बेहद कम मात्रा में जरूरत पड़ती है। यह मिश्रण जीका, वेस्ट निले वायरस, डेंगू और येलो फीवर जैसी बीमारियों के मामले में काम नहीं करता।

मलेरिया फैलाने वाली मच्छर की 5 प्रजाति पर किया प्रयोग

कंपनी के सीईओ लेक इग्नाटोविच का कहना है, खास तरह का मिश्रण एनाफिलीज मच्छरों की 5 तरह की प्रजाति को अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रहा है। यही मच्छर मलेरिया को फैलाने के लिए जिम्मेदार हैं।

लेक का कहना है, हमारा लक्ष्य पूरी तरह से मच्छरों को खत्म करना नहीं है। हम उस बीमारी को खत्म करना चाहते हैं जो मच्छर अपने साथ लाते हैं। हम इंसानों के आसपास मॉस्क्यूटो-फ्री जोन बनाना चाहते हैं। मच्छरों का खत्म करने का तरीका खासकर अफ्रीका जैसे देशों में कारगर साबित होगा जहां मलेरिया के सबसे ज्यादा मामले सामने आते हैं।

मलेरिया रोकने के लिए कोशिशें जारी

दुनियाभर में मलेरिया को रोकने के लिए कोशिशें जारी हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 7 अक्टूबर को दुनिया की पहली मलेरिया वैक्सीन पेश की। इसे फार्मा कम्पनी ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन ने तैयार किया है। यह वैक्सीन खासतौर पर अफ्रीका के उन इलाकों के लोगों को लगाई जाएगी जहां मलेरिया के सबसे ज्यादा मामले हैं।

डब्ल्यू एचओ के मुताबिक, मलेरिया की वजह प्लाजमोडियम फैल्सिपेरम नाम का परजीवी है। जो मच्छर को संक्रमित करता है। जब संक्रमित एनाफिलीज मच्छर इंसान को काटता है तो यह परजीवी इंसान तक पहुंच जाता है और वह मलेरिया से जूझता है। बुखार, सिरदर्द, कंपकंपी, मांसपेशियों में दर्द और मिचली आना इसके लक्षण हैं।

मलेरिया से हर साल 4 लाख मौतें

दुनियाभर में हर साल मलेरिया से 4 लाख लोगों की मौत होती है। वर्ल्ड मलेरिया रिपोर्ट 2020 के मुताबिक, मलेरिया से होने वाली 90 फीसदी मौतें अफ्रीका में हुईं, इसमें 2,65,000 से अधिक बच्चे थे। यहां 2000 में मलेरिया के 7,36,000 मामले थे जो 2018 तक घटकर 4,11,000 हो गए। 2019 में मलेरिया के 4,09,000 मामले सामने आए।

आर्टिफिशियल रंग जो आपको बना सकते हैं फूड डाई एलर्जी का शिकार, न्यूट्रीशनिस्ट से जानें बचने के उपाय

जैम, जैली, कैंडी, वाइन्स, फ्रोजन मीट और फिश, सॉफ्ट ड्रिंक्स, दही, आइसक्रीम, चिप्स, डिब्बाबंद फल और सब्जियां आदी को आपने कई तरह के रंगों में देखा होगा। घर में अगर हलवा या केक बनता है, तो उसमें अपनी पसंद के रंग मिला दिए जाते हैं। इन आर्टिफिशियल रंगों से बने खाने को फूड डाई कहते हैं। ये आर्टिफिशियल रंग सेहत के लिए नुकसानदायक भी साबित हो सकते हैं और फूड डाई एलर्जी का कारण बन सकते हैं। इसे फूड कलरिंग एलर्जी भी कहा जाता है। हालांकि, फूड कलिरंग एलर्जी बहुत कम देखने को मिलती है।

इस तरह के मीठे में भी होते हैं आर्टिफिशियल रंग

नमामी लाइफ में न्युट्रीशनिस्ट शैली तोमर का कहना है कि फूड डाई केमिकल पदार्थ और सिंथेटिक रंग होते हैं जो प्रोसेस्ड फूड के रंग और स्वाद को बढ़ाते हैं। फूड डाई एलर्जी का शिकार बच्चे जल्दी होते हैं, क्योंकि ऐसे फूड को बच्चे पसंद करते हैं। किसी तरह का खाना खाने के बाद अगर आपको सिरदर्द, चेहरे पर सूजन, सांस लेने में दिक्कत और छाती में जकड़न महसूस हो रही है तो आप फूड कलरिंग से एलर्जिक हो सकते हैं।

फूड डाई से होने वाले नुकसान

डॉ. शैली तोमर का कहना है, आमतौर पर रेड 40, येलो 5, येलो 6, ब्लू 1 और ग्रीन 3 फूड डाई ज्यादा इस्तेमाल में लाई जाती है। फूड ऐंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (स्न्नष्ठ) की तरफ से 36 फूड डाई एप्रुव्ड हैं, लेकिन इनमें से कुछ आर्टिफिशियल रंग जैसे रेड 3, येलो 5 और येलो 6 में कैंसर का कारण भी बनते हैं।

कुछ फूड डाई जैसे येलो 5 बच्चों में एलर्जी और स्किन रैशिज को जन्म दे सकती है। फूड डाई से इम्युनिटी कमजोर होती है और बच्चों को इंफेक्शन के ज्यादा प्रोन बनाती है। बच्चों में हाइपरएक्टिविटी और गुस्से को बढ़ाती है, जिस वजह से उन्हें एटेंशन डिफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (ष्ठ॥ष्ठ) हो जाता है। यह डिसऑर्डर बच्चे के दिमाग को प्रभावित करता है। इस तरह का फूड खाने से मोटापा तेजी से बढ़ता है। लंबे समय तक ऐसे भोजन को खाने से बच्चों में डिप्रेशन का रिस्क भी बढ़ा देती है।

उपाय क्या है ?

इस हिसाब से उपभोक्ता खुद ही तय कर सकता है, उसे वह पैकेज खरीदना है या नहीं। कुछ पैकेज्ड फूड्स पर नेचुरल फूड डाई के बारे में भी लिखा होता है जैसे पपरिका (हल्दी से बना रंग), (कैरामेलाइज्ड शुगर से बना रंग) आप घर में भी नेचुरल फूड कलर बना सकते हैं। पीला केसर से, लाल चुकंदर से, पालक से हरा, कॉफी से ब्राऊन और स्ट्रोबेरी से गुलाबी रंग बना सकते हैं। घर पर बने ये रंग आपको उतने स्ट्रांग नहीं लगेंगे जितने आर्टिफिशियल से लेकिन हेल्थ के लिए सौ फीसद सुरक्षित होंगे। खाने में दिखने वाले आर्टिफिशियल रंग कई बार सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकते हैं, इसलिए पैकेज्ड फूड को खरीदते समय उनका लेबल ध्यान से पढ़ लेना चाहिए।

25 प्रतिशत महिलाएं करती हैं गंदे मेकअप ब्रश का इस्तेमाल हो सकती है प्रॉब्लम

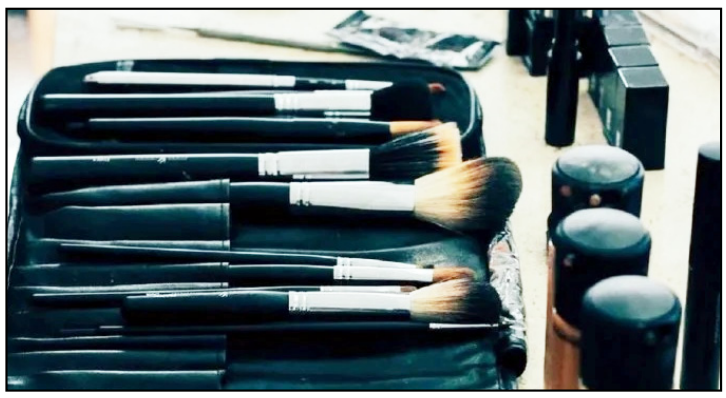

किसी भी पार्टी या फिर फंक्शन में जाने से पहले फ्लॉलेस लुक के लिए महिलाएं मेकअप ब्रशेस का इस्तेमाल करती हैं। पर क्या आपको याद है कि आपने लास्ट टाइम मेकअप ब्रश को कब साफ किया था? अगर नहीं, तो इसमें परेशान होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि ऐसी कई महिलाएं हैं जो शायद गंदे मेकअप ब्रशेस के इस्तेमाल से होने वाली स्किन प्रॉब्लम्स से अनजान है।

अक्सर स्किन प्रॉब्लम्स की वजह बिजी लाइफस्टाइल, पॉल्यूशन या फिर खानपान को माना जाता है, लेकिन हमारी कुछ गलत आदतें भी स्किन प्रॉब्लम्स को बढ़ाने का काम करती हैं। ब्यूटी एक्सपर्ट काजल सिंह बताती हैं कि अगर मेकअप को चेहरे पर अप्लाई करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ब्रशेस की साफ-सफाई का ध्यान न रखें तो इनमें छुपे बैक्टीरिया स्किन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। खूबसूरत दिखाने के साथ ही स्किन को बीमार भी कर सकते हैं। ऐसे में मेकअप ब्रशेस को साफ करना जरूरी है।

मेकअप ब्रश की सफाई क्यों है जरूरी

एक सर्वे की मानें तो करीब 25त्न महिलाएं मेकअप ब्रशेस की सफाई नहीं करती हैं। ऐसे में ये बात समझना जरूरी है कि एक ही ब्रश को बिना साफ किए यूज करने से मेकअप करते समय मनचाहा लुक नहीं मिलेगा। वजह ये है कि उस पर पहले से ही मेकअप प्रोडक्ट लगा होता है। साफ ब्रशेस से मेकअप बेहतर तरीके से अप्लाई होता है। वहीं, मेकअप को हाइजीनिक बनाने के लिए ब्रशेस को साफ करना जरूरी है। जब गंदे ब्रश से मेकअप करते है तो बैक्टीरिया स्किन पर ही फैल जाते हैं। इससे इचिंग, पिंपल और ब्लैकहेड्स हो सकते हैं। इस बात का भी खास ध्यान रखें कि किसी दूसरे के मेकअप ब्रश इस्तेमाल न करें। इससे स्किन प्रॉब्लम्स एक व्यक्ति से दूसरे को ट्रांसफर हो सकती हैं। आप जितना ज्यादा मेकअप ब्रशेस की केयर करती हैं, वे काफी दिनों तक सही चलते हैं।

कितनी भारतीय महिलाएं करती हैं मेकअप?

एक सर्वे के अनुसार कॉस्मेटिक्स खरीदने में भारतीय महिलाएं सालाना 22 हजार रुपये और पुरुष करीब 10 हजार रुपये खर्च करते हैं। वहीं, 33त्न महिलाएं ऐसी हैं जो रोजाना मेकअप करना पसंद करती हैं। कभी-कभी मेकअप करने वाली महिलाओं की संख्या 56त्न है। किसी पार्टी या फिर खास मौके पर मेकअप करने वाली 11त्न महिलाएं हैं। 14त्न महिलाएं बिल्कुल मेकअप करना पसंद नहीं करतीं। सर्वे में ये बात भी सामने आई कि एक महिला के पास 24 कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स होते हैं, इसमें से 10 ही रोजाना यूज किए जाते हैं। 37त्न महिलाएं कॉस्मेटिक तब खरीदती हैं, जब उन पर डिस्काउंट होता है।

मेकअप ब्रश ऐसे करें क्लीन

अनीता सिंह बताती हैं कि मेकअप ब्रशेस को हफ्ते में 2 बार क्लीन करना चाहिए। ज्यादातर महिलाओं को इन्हें साफ करना नहीं आता, इस वजह वे या तो ब्रश फेंक देती हैं या फिर गंदे ब्रश ही यूज करती हैं। मेकअप ब्रशेस को क्लीन करने के लिए इन तरीकों को फॉलो कर सकती हैं।

रिप्रोडक्टिव सिस्टम और हार्मोनल हेल्थ को बूस्ट करने के लिए घर पर करें ये दो योगासन, परेशानियां होंगी दूर

यों तो योग पुरुष हो या स्त्री सभी के लिए फायदेमंद है, लेकिन चूंकि महिलाओं को प्रेगनेंसी, मेंस्ट्रुअल प्रॉब्लम्स, फर्टिलिटी इशुज और मेनोपॉज जैसी समस्याओं से भी गुजरना पड़ता है। ऐसे में उनके लिए योग अधिक लाभदायक है। योग रिप्रोडक्टिव सिस्टम को ठीक रखने में काफी मदद करता है। इससे शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की समस्याएं दूर होती हैं। यह शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को ठीक करता है जिससे प्रेगनेंसी भी हेल्दी होती है। योग की वजह से प्रजनन अंगों में पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन पहुंचती है जिसकी वजह से प्रजनन क्षमता बढ़ती और हार्मोनल हेल्थ भी बेहतर होती है। योग महिलाओं को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से मजबूत भी करता है। इनोसेंस योगा की योग एक्सपर्ट भोली परिहार बता रही हैं वे योगासन जो रिप्रोडक्टिव सिस्टम के लिए फायदेमंद होते हैं।

रिप्रोडक्टिव और हार्मोनल हेल्थ के लिए योग के फायदे

योग एक्सपर्ट भोली परिहार का कहना है कि योग से हमारी लोअर बॉडी जिसमें हमारे लेग्स, हिप्स और बैक आती है, यह वह एरिया है जहां हमारा रिप्रोडक्टिव सिस्टम होता है। अगर हम कुछ आसनों का अभ्यास करते हैं तो उससे हम अपने पैरों को फ्लैक्सिबल बना सकते हैं। कमर को मजबूती दे सकते हैं। साथ ही जहां हमारा रिप्रोडक्टिव सिस्टम होता है उसके आसपास की सभी मांसपेशियों को मजबूत कर सकते हैं। जिन महिलाओं को इंफर्टिलिटी की समस्या होती है, उसमें भी कुछ योग आसन बहुत लाभकारी हैं। योग पीरियड्स में होने वाले क्रैंप्स व पीसीओडी के मैनेजमेंट में भी मददगार है। यह हमारे रिप्रोडक्टिव सिस्टम के काम करने की क्षमता को बढ़ाता है। योग आसन रिप्रोडक्टिव सिस्टम को डिटॉक्सीफाई करते हैं। अगर हमारा रिप्रोडक्टिव सिस्टम ठीक नहीं है तो इससे हमारी मेंटल, सोशल और फिजिकल लाइफ इफैक्ट होती है। योग से इन सभी समस्याओं से निपट सकते हैं। यह स्ट्रेस और एंग्जाइटी को भी कम करते हैं। भोली परिहार का कहना है कि जितने भी आसन जिनमें हम अपने पैर को खोलते हैं, वे सभी रिप्रोडक्टिव सिस्टम को इंप्रूव करने के लिए होते हैं। इनमें कूर्मासन, भूनमन आसन, बद्धकोण, पश्चिमोत्तानासान और उपविष्ट कोण आसन प्रमुख हैं। यहां हम पश्चिमोत्तानासन और उपविष्ट कोण आसन की विधि बता रहे हैं।

स्मार्ट फोन, कम्प्यूटर की स्क्रीन के सामने अधिक समय न रहें, आंखों को होगा गंभीर खतरा

स्मार्टफोन-कम्प्यूटर की स्क्रीन के सामने अधिक समय बिताने वालों में 80त्न तक दूर की नजर धुंधली होने का खतरा, 2050 तक दुनिया की आधी आबादी इससे जूझ सकती है।

लम्बे समय लोगों का स्क्रीन के सामने समय बिताना उन्हें वो बीमारी दे सकता है जो आमतौर पर बुजुर्गों में देखी जाती है। इंग्लैंड के शोधकर्ताओं ने अलर्ट किया है। वैज्ञानिकों का कहना है, अगर आपका एक लम्बा समय स्मार्टफोन या कम्प्यूटर की स्क्रीन के सामने बीतता है तो दूर की नजर कमजोर हो सकती है। वैज्ञानिक भाषा में इसे मायोपिया कहते हैं।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, 3 महीने से लेकर 33 साल तक के लोगों में मायोपिया होने का खतरा 80 फीसदी तक रहता है। यह दावा इंग्लैंड की एंगलिया रस्किन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने अपनी रिसर्च में किया है।

सिर्फ स्मार्टफोन ही 30त्न तक रिस्क बढ़ाता है

शोधकर्ता कहते हैं, सिर्फ स्मार्टफोन ही 30 फीसदी तक मायोपिया का रिस्क ब?ाता है। अगर जरूरत से ज्यादा कम्प्यूटर का इस्तेमाल करते हैं तो यह खतरा ब?कर 80 फीसदी तक पहुंच जाता है। 2050 तक लोगों पर इसका बुरा असर हो सकता है। दुनिया की आधी आबादी को दूर की चीजें धुंधली दिखनी शुरू हो सकती हैं या आंखों से जु?ी ऐसी ही कोई समस्या हो सकती है। 2019 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 2 साल से कम उम्र के बच्चों को स्क्रीन के सामने आने से रोकने की बात कही थी। ड्ड॥ह्र के मुताबिक, 2 से 5 साल के बच्चों को दिनभर में एक घंटे से अधिक गैजेट्स इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं देनी चाहिए। उसी साल ब्रिटेन के 2 हजार परिवारों पर हुए सेंससवाइड सर्वे में सामने आया कि बच्चे औसतन एक हफ्ते में 23 घंटे स्क्रीन के सामने बिता रहे हैं। कोरोनाकाल के दौरान हुई स्टडीज बताती हैं, लॉकडाउन के दौरान स्क्रीन टाइम और ज्यादा बढ़ गया। वर्क फ्रॉम होम और होम स्टडी के कारण गैजेट्स का इस्तेमाल पहले से कई गुना अधिक बढ़ गया।

मायोपिया तेजी से ब?ती समस्या शोधकर्ता रुपेर्ट बॉर्न कहते हैं, मायोपिया तेजी से बढ़ती समस्या है। रिसर्च में सामने आया है कि सिर्फ युवा ही नहीं, बच्चे भी गैजेट्स के साथ जरूरत से ज्यादा समय बिता रहे हैं। स्कूल बंद होने के कारण स्थिति और बिगड़ रही है। गैजेट्स के कारण भविष्य में आंखों और उसकी रोशनी पर किस हद तक बुरा असर पड़ सकता है, इस पर और रिसर्च करने की जरूरत है।

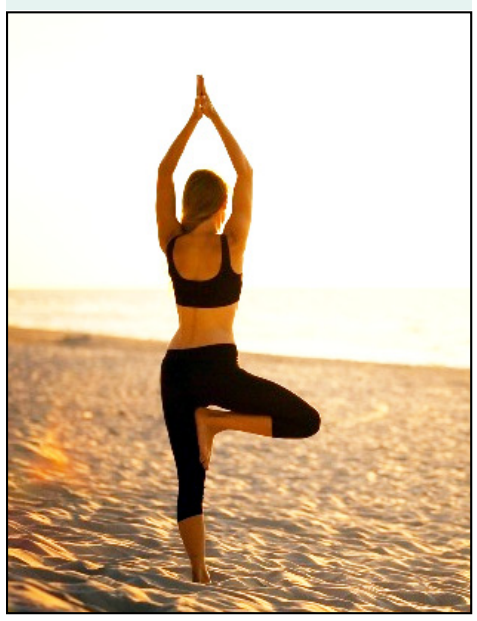

शास्त्र ज्ञान के बिना शस्त्र सही दिशा में प्रयोग नहीं होते : नरवरिया

भिण्ड। शास्त्र ज्ञान के बिना शस्त्र सही दिशा में प्रयोग नहीं हो सकता है और ना रक्षा का कार्य कर सकता है,उक्त उद्गार लोधी राजपूत छत्रिय समाज के जिला भिंड में आयोजित शस्त्र पूजन रजपरा धाम में कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा नेता रविंद्र सिंह नरवरिया एडवोकेट ने व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैप्टन सुरेश सिंह नरवरिया ने कहा दशहरा के पर्व पर सेना में भी हर्ष और उल्लास, प्रसन्नता से मनाया जाता है, शस्त्र पूजन का अर्थ है हम हर क्षण तैयार रहें आज के युग में शस्त्र ही नहीं कलम की ताकत और बुद्धिमता भी होना जरूरी है कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि बसपा नेता गंभीर सिंग नरवरिया, एडवोकेट नरोत्तम सिंह नरवरिया ने विचार व्यक्त करते हुए कहा आयोजनों से एक पीढ़ी दूसरी पीढ़ी को परंपरा नैतिकता, सकारात्मकता और सफलता का मंत्र प्रदान करती है कार्यक्रम में मेघसिंह नरवरिया, भाजपा नेता सत्यवान सिंह नरवरिया, कांग्रेस नेता मनोज लोधी, ओबीसी महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष अनिल लोधी, अहिवरन सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए कार्यक्रम के आयोजक लोधी राजपूत महासभा के अध्यक्ष अजमेर सिंह नरवरिया ने स्वागत भाषण दिया, कार्यक्रम का संचालन शौकीन सिंह नरवरिया शिक्षक ने किया। आभार युवा अध्यक्ष हीरेन्द्रप्रताप सिंह नरवरिया ने किया एवं समाज के गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

अवैध कट्टाधारी गिरफ्तार

भिण्ड। लहार थाना अंतर्गत मुखवरि की सूचना पर उपनिरीक्षक आदिल खॉन ने ग्राम कटघरा रोड रामबाबू गुप्ता के खेत के पास से एक अवैध कट्टाधारी युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उक्त आरोपी युवक के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया।

पुलिस के अनुसार शनिवार की दोपहर 12 बजे मुखविर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम कटघरा रोड पर एक युवक किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए कट्टा लिये घूम रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस को देख युवक भागने लगा जिसे दबिश देकर पकड़ लिया। युवक के पास से एक 315 बोर का अवैध कट्टा एवं एक जिंदा राउण्ड जप्त किया है। पूछताछ करने युवक ने अपना योगेन्द्र पुत्र राधामोहन चौधरी निवासी श्यामपुरा लहार बताया। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।

देवी प्रतिमा विसर्जन करने जा रहे युवकों के बीच मारपीट, मामला दर्ज

भिण्ड। लहार क्षेत्र में देवी प्रतिमा विसर्जन करने जा रहे युवकों के बीच मारपीट हो गई। यह मारपीट का कारण देवी प्रतिमा विसर्जन करने जा रहे युवकों द्वारा गुलाल उड़ना बताया जा रहा है। यह मामला कस्बे दो अलग-अलग स्थानों पर हुई। पुलिस ने दोनों घटनाओं पर मारपीट का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक नवदुर्गा उत्सव के बाद देवी प्रतिमा विसर्जन करने जा रहे युवकों द्वारा गुलाल उड़ाए जाना कुछ युवकों को खल गया। इस पर युवकों में मारपीट हो गई। यह दोनों ही घटनाएं लहार कस्बे के महाराणा प्रताप चौराहे की है। एक घटना में फरियादी दीपेंद्र पुत्र राघवेंद्र सिंह राजावत वार्ड क्रमांक 13 ने दर्ज कराई है। फरियाद की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी सोनू राजावात, दौआ भदौरिया पर रिपोर्ट के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इसी तरह दूसरी विवाद अनिल पुत्र डालचंद्र दौहरे और अज्ञात युवकों के साथ हो हुआ। यह मामले में पुलिस ने 5 अज्ञात आरोपियों पर मामला दर्ज कर लिया।

अमायन पुलिस ने हाथ से बनी दो पिस्टल, आरोपी से धर दबोची

भिण्ड। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपूसे के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे धर पकड़ अभियान के तहत अमायन पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी के कब्जे से दो पिस्टल व दो जिंदा राउण्ड के साथ धर दबोचा। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी साहब सिंह पुत्र सुखराम कुशवाह उम्र 27 वर्ष निवासी स्योंढा जिला दतिया अपने पास अवैध रूप से हाथ से बनी दो पिस्टल व दो जिंदा राउण्ड लेकर अमायन क्षेत्र में आ रहा था तभी मुखबिर की गुप्त सूचना पर आरोपी को ग्राम मेहरा रोड़ तिराहे के पास अमायन लाहर रोड़ से धर दबोचा। आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 86/21 धारा 25 (1-बी) ए एक्ट आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारम्भ कर दी है।

पिता की पुण्य तिथि पर 32वीं बार किया रक्तदान

भिण्ड। शहर के अमित कुमार जैन, श्रीमती नीतेश जैन के पिता स्व.श्री जयकुमार जैन की चौथी पुण्य तिथि पर अमित जैन द्वारा 32वीं बार आज रक्तदान करने के साथ साथ गौरी के किनारे बिहारी पार्क के पास पक्षियों के दाना पानी के लिए शेल्टर भी लगाया गया। इस पुनीत कार्य में श्रीमती नम्रता, नीलेश जैन, आलोक देपुरिया, गणेश भारद्वाज, योगेश और पिंकू शर्मा मौजूद रहे।

यूपी से नकली खाद का स्टॉक कर किसानों को बेच रहे व्यापारी, पुलिस ने मारा दुकान पर छापा

पुलिस द्वारा फूप सहित नयागांव क्षेत्र में की एक साथ 4 स्थानों पर कार्रवाई

3जप्त हुई सैकड़ों बोरी अमानक डीएपी और यूरिया

भिण्ड। खाद संकट के बीच फसल बोने की तैयारी में जुटे अन्नदाता को जहां शासन स्तर पर यूरिया और डीएपी नही मिल रही है, वहीं इन किसानों को ठगने वाले व्यापारियों द्वारा इस मौके को भुनाया जा रहा है। जिसमें वह नकली खाद का स्टॉक कर उसे ऊंचे दामों पर बेचने में लगे हुए हैं। शनिवार के रोज जिले में एक साथ चार स्थानों पर छापामार कार्रवाई करते हुए पुलिस ने नकली खाद का बड़ा स्टॉक बरामद किया है। जिसमें आरोपी व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मामले में जांच शुरु कर दी गई है।

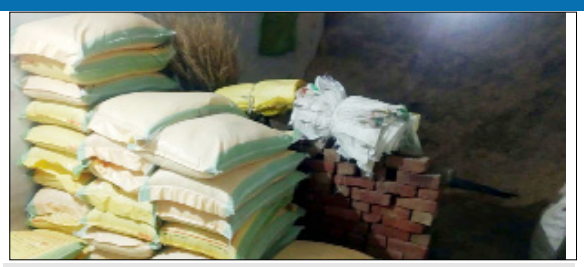

कालाबाजारी कर उठा रहे फायदा

ज्ञात हो कि वर्तमान में ग्वालियर चंबल अंचल में मांग की तुलना में खाद की आपूर्ती न होने से संकट उत्पन्न हो गया है। रबी सीजन की फसल तैयारी में जुटा किसान यूरिया और डीएपी लेने के लिए घण्टों लाइन में खड़ा हुआ है। ऐसे में उसे मांग के अनुसार खाद नही मिल रहा है, जिसके चलते बीते दिनों में किसानों द्वारा खाद की बोरियां लूटने से लेकर विरोध करते हुए हाइवे जाम भी किया जा चुका है। ऐसे में खाद व्यापारियों द्वारा कालाबाजारी करने के साथ साथ नकली खाद किसानों के बीच ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है। जिसमें जरुरतमंद किसानों को ठगते हुए कालाबाजारियों द्वारा मौके का फायदा उठाया जा रहा है।

शनिवार को एसडीओपी अटेर सुरेन्द्र सिंह तोमर ने सूचना के आधार पर फूप कस्बे में एक साथ तीन स्थानों पर नकली खाद का स्टॉक गोदामों पर छापा मारा। जिसमें देर शाम कार्रवाई करने पहुंची पुलिस ने कस्बे में भदाकुर रोड पर एक मकान में छिपा कर रखी गई खाद के स्टॉक पर जप्त किया। पुलिस ने बताया कि यहां देवेन्द्र सिंह भदौरिया द्वारा नकली खाद जमा की गई थी, जिसे क्षेत्र में खपाने के मकसद से आरोपी द्वारा उप्र से मंगाया गया था। पुलिस के अनुसार जप्त की गई खाद में 68 बोरी नकली खाद जप्त हुई है। इसी प्रकार से चंद्रशेखर स्कूल के पास एक मकान में छिपा कर जमा की गई 700 बोरी डीएपी और 800 बोरी यूरिया जप्ती की गई, जिन्हें राकेश शर्मा नामक युवक द्वारा यहां बेचने के लिए रखा गया था।

इधर नयागांव थाना इंचार्ज हरजेन्द्र सिंह चौहान ने मुखबिर की सूचना पर क्षेत्र में यूपी बॉर्डर के मुहांड तिराहा पर एक दुकान में छिपा कर रखी गई डीएपी व यूरिया की 50 बोरियां जप्त की है। पुलिस ने बताया कि जप्त की गई खाद मानक स्तर की है या नही इसकी जांच के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर सेंपल लिए गए हैं। इसके साथ ही पकड़ी गई खाद आरोपी युवक द्वारा कहां से लाई गई है इसको लेकर भी जांच की जा रही है।

इनका कहना है:

फूप कस्बे में तीन स्थानों पर छापामार कार्रवाई करते हुए यूरिया और डीएपी जप्त की गई है। व्यापारियों द्वारा इन्हें ब्लैक में बेचने के लिए रखा गया था। मामले में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा सेंपल लेने के साथ ही आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कराया है।

शिवपुरी की लाड़ली लक्ष्मीयों को मिली छात्रवृत्ति, बोली थैंक्यू मामाजी शिवराज सिंह चौहान

शिवपुरी।

शनिवार को प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत बालिकाओं को छात्रवृत्ति वितरित की गई। प्रदेश के सभी जिलों में इस कार्यक्रम का प्रसारण हुआ। शिवपुरी में भी कार्यक्रम में कई बालिकाओं को इस छात्रवृत्ति का लाभ मिला है।छात्रवृत्ति मिलने पर शिवपुरी शहर की निवासी कक्षा नौवीं की छात्रा ईशा ओझा, कक्षा नवमी में पढ़ने वाली अंजलि प्रजापति, कक्षा 6 की छात्रा रिशिका शर्मा, आरजू खान, दीप्ति प्रजापति, काजल भदोरिया और कक्षा 12वीं की छात्रा अंजलि ओझा को लाडली लक्ष्मी योजना के तहत छात्रवृत्ति की राशि के प्रमाण पत्र दिए गए। पूर्व विधायक, जिला पंचायत सीईओ एवं महिला बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी ने इन बालिकाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर इनके परिजन भी हॉल में बैठे थे। सभी के चेहरे पर खुशी का भाव था बालिकाओं ने भी अपनी खुशी व्यक्त करते हुए छात्रवृत्ति मिलने पर मामा जी को धन्यवाद दिया।

वोटर हेल्पलाइन एप से प्राप्त होंगी महत्वपूर्ण जानकारियाँ

शिवपुरी।

वोटर हेल्प लाइन एप मतदाताओं के लिये मतदाता सूची में अपना नाम खोजने, मतदाता पंजीकरण और संशोधन के लिये फार्म जमा करने, उनकी डिजिटल मतदाता पर्ची डाउनलोड करने, शिकायत करने, चुनाव ल?ने वाले उम्मीदवारों के बारे में विवरण खोजने और सबसे महत्वपूर्ण चुनाव के समय परिणाम देखने के लिये व्यापक एप है। वोटर हेल्पलाइन ऐप भारत के चुनाव आयोग का सबसे महत्वपूर्ण मोबाईल एप है। एप में क्यूआर कोड के जरिए मतदान केन्द्रों की तलाशी काफी आसान और तेज हो गई है। फोटो मतदाता पर्ची में क्यूआर कोड होता है। जिसमें मतदान अधिकारियों द्वारा मतदान केन्द्र में स्केन किया जाता है। अब मतदाता अपनी डिजिटल फोटो, मतदाता पर्ची वोटर हेल्पलाइन मोबाईल एप से भी डाउनलोड कर सकते है। डिजिटल फोटो मतदाता पर्ची को भौतिक मतदाता पर्ची के बजाय मतदान केन्द्र पर दिखाया जा सकता है।

आज इन स्थानों पर आज रहेगी बत्ती गुल

शिवपुरी।

आवश्यक रखरखाव का कार्य किए जाने हेतु 11 के.व्ही. कोर्ट रोड फीडर एवं 33 के.व्ही.रोनाखेडी फीडर पर 17 अक्टूबर को विद्युत प्रवाह बंद रहेगा। उक्त 11 के.व्ही. कोर्ट रोड फीडर के बंद रहने से प्रातः 10 बजे से अपराह्न 4 बजे तक कोर्ट रोड, कलेक्टर कोठी, कलेक्टर ऑफिस एवं आसपास इत्यादि क्षेत्र प्रभावित रहेगें। इसी प्रकार 33 के.व्ही.रोनाखेडी फीडर के बंद रहने से प्रातः 9 बजे से अपराह्न 5 बजे तक 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र रोनाखे?ी से जु? समस्त क्षेत्र प्रभावित रहेंगे।

आयशर की टक्कर से वृद्धा की मौत,पुत्र और नातिन घायल

शिवपुरी।

खनियांधाना के रेड्डी चौराहे पर एक तेज रफ्तार आयशर वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे बाइक पर सवार एक वृद्ध महिला की मौत हो गई। जबकि बाइक चला रहा उसका पुत्र व पीछे बैठी उसकी नातिन गंभीर रूप से घायल हो गई। जिन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामले में आयशर वाहन चालक के खिलाफ भादवि की धारा 304ए, 279, 337 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है। जानकारी के अनुसार दशहरे पर अपने रिश्तेदारी में हीरापुर गांव से चंदेरी के सतवारा गांव जाने के लिए शुक्रवार की सुबह जनवेश रजक अपनी मां गुलाब बाई रजक और पुत्री पल्लवी को लेकर बाइक से रवाना हुआ था। जैसे ही वह रेड्डी चौराहे के पास पहुंचे तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार वाहन क्रमांक यूपी 94 टी 7371 के चालक ने तेजी व लापरवाही से वाहन को चलाते हुए बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पर पीछे बैठी 50 वर्षीय गुलाब बाई बाइक से सड़क पर गिर गई। जबकि जनवेश और उसकी बेटी पल्लवी बाइक के साथ सड़क के किनारे जाकर गिर गई। इसी दौरान सड़क पर गिरी गुलाब बाई के ऊपर से वह आयशर वाहन निकल गया और उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

डेंगू पर प्रहार अभियान अंतर्गत डेंगू लार्वा सर्वे एवं विनिष्टीकरण जारी

शिवपुरी।

जिले में डेंगू नियंत्रण हेतु कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. संजय ऋषिश्वर द्वारा स्वास्थ्य विभाग, नगरपालिका, एम्बेड के कर्मचारियों का डेंगू नियंत्रण कार्यवाही के लिए टीम बनाकर शहरी क्षेत्र में लार्वा सर्वे एवं विनष्टीकरण, पायरेथ्रिम स्पेस स्प्रे इत्यादि प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जा रही है। शहरी क्षेत्र मे जिन वार्डो में पॉजीटिव केस चिन्हित हुए है उन्हे हाई रिस्क जोन सम्मिलित करते हुए उन क्षेत्रों में प्रतिबंधात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। जिले के हाई रिस्क जोन माधव बिहार कॉलोनी, मनियर, सिद्धि विनायक कॉलोनी, फतेहपुर, विवेकानंदपुरम, नवाब साहब रोड, अरविन्द नगर, पुरानी शिवपुरी, झांसी तिराहा, कमलागंज, तांगे वाली गली, लकी गार्डन, वार्ड नम्बर 13, 10, 29, 38, 8,16, 26, 10, 32, 25, 26, 21 में सघन लार्वा सर्वे अभियान जारी है। साथ ही ब्लॉक स्तर एवं ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा क्षेत्र में लगातार लार्वा सर्वे, लार्वा विनष्टीकरण, पायरेथ्रिम स्पेस स्प्रे, फॉगिंग इत्यादि प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जा रही है। जिले में माह जनवरी से आज दिनांक तक 40 केस चिन्हित हुये है। माह अक्टूबर में 25 केस चिन्हित हुये है, शिवपुरी शहरी क्षेत्र में 09 केस एवं ग्रामीण क्षेत्र मे 16 केस चिन्हित किये गये है। शहरी क्षेत्र मे माह अक्टूबर में कुल 1363 घरों में सर्वे किया, जिनमें 90 घरों में लार्वा पाया गया। कुल चेक किये गये कंटेनर 6252 पॉजिटिव 94, टीम द्वारा लार्वा विनष्टीकरण का कार्य किया गया है। साथ ही जनसमुदाय को मच्छरों से बचाव व उत्पत्ति स्थल को नष्ट करने के लिए समझाइश दी। जैसा कि विदित है कि घर में व आसपास टूटे, फूटे कंटेनर, टंकी, कूलर, टायर, गमले इत्यादि में भरे पानी में ऐडीज मच्छर अंडे देता है जो कि लार्वा व प्यूपा अवस्था में बदलकर 7 से 10 दिन मे पूर्ण मच्छर बन जाते है। यही मच्छर संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क व आकर डेंगू व मलेरिया बीमारी का फैलाव करते है। जनसमुदाय से अपील की जाती है कि घरो व आसपास पानी जमा न होने दे सात दिवस में विभिन्न कंटेनरों में भरा पानी बदलते रहे तथा पूरे वॉह के कपडे पहने तथा बुखार आने शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में अपनी जांच कराए।

शिवाजी पब्लिक स्कूल में आयोजित किया गया दशहरा मिलन समारोह

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्य भी रहे मौजूद

भिण्ड। शनिवार को शिवाजी पब्लिक स्कूल मैं दशहरा मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्कूल संचालक दिनेश सिंह परिहार उर्फ बंटू द्वारा कार्यक्रम में पधारे प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के पदाधिकारी, सदस्यों एवं समाजसेवीयो को सम्मानित किया कार्यक्रम में स्कूल संचालको ने भी अपने अपने विचार रखे और आपसी चर्चा की कार्यक्रम में सभी को स्वल्पाहार कराया गया। कार्यक्रम के पश्चात शिवाजी पब्लिक स्कूल के संचालक दिनेश परिहार द्वारा सभी को भोजन करायाद्य कार्यक्रम में सुनील कुमार जैन संचालक वाणी भारती स्कूल, राम प्रकाश बंसल संचालक दुर्गा पब्लिक स्कूल, बृजमोहन शर्मा संचालक आरके मेमोरियल स्कूल ,सुरेंद्र कुशवाह संचालक द ग्लोरियस पब्लिक स्कूल, प्रदीप संचालक चिल्ड्रन स्कूल, अंकित राजावत संचालक एंजेल पब्लिक स्कूल, पंकज संचालक सुपर स्टेटस स्कूल, सुनील, अर्जुन टीचर शिवाजी पब्लिक स्कूल के अलावा पत्रकार समाजसेवी एवं कई गणमान्य मौजूद रहे।

कमलनाथ आज से तेज करेंगे अपना चुनाव प्रचार अभियान

-कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दो दिन खंडवा में, चार सभा लेंगे

-मंडल से लेकर बूथ तक के कार्यकर्ताओं को एक्टिव करेंगे

भोपाल / उपचुनाव के घमासान में कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ रविवार से चुनाव प्रचार तेज करेंगे। कमलनाथ रविवार को छतरपुर जिले के खजुराहो पहुंचेंगे। उसके बाद निवाड़ी जिले की पृथ्वीपुर विधानसभा के जेरोन में सभा लेंगे। इस कार्यक्रम के बाद कमलनाथ मंडल-सेक्टर-बूथ के पदाधिकारियों की बैठक लेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे।

20 अक्टूबर तक कमलनाथ की एक के बाद एक सभाएं हैं। कमलनाथ की सक्रियता से कांग्रेस में जोश भर गया है। खंडवा लोकसभा के साथ ही उपचुनाव वाले तीनों विधानसभा क्षेत्रों में जोरदार तैयारी चल रही है। रविवार को कमलनाथ दिनभर पृथ्वीपुर में रहेंगे। उसके बाद सोमवार को चुनाव प्रचार में खंडवा क्षेत्र में कमलनाथ की चार सभाएं रखी गई हैं। विशेष तौर पर मांधाता और बागली विधानसभा में वे सभाएं लेने पहुंचेंगे।

खंडवा पर मुख्य फोकस

कांग्रेस के पास स्टार प्रचारकों में केवल अभी कमलनाथ ही मैदान में नजर आ रहे हैं। वे एक बार खंडवा का दौरा कर चुके हैं, लेकिन उसमें भी केवल सभा रखी गई थी। अब दूसरी बार वे 18 अक्टूबर को फिर खंडवा लोकसभा में कांग्रेस प्रत्याशी राजनारायण पुरणी के पक्ष में प्रचार करने पहुंचेंगे। इस दिन सुबह साढ़े 11 बजे वे बुरहानपुर जिले के नेपानगर के धूलकोट पहुंचेंगे। यहां से वे मांधाता विधानसभा के पुनासा पहुंचेंगे, जहां सभा रखी गई है। दूसरे दिन 19 अक्टूबर को वे सतना विधानसभा के दौरे पर रहेंगे। उसके बाद 20 तारीख को फिर खंडवा आएंगे और बागली विधानसभा के

पूंजापुरा में सभा लेंगे। इसके बाद फिर दोपहर सवा 1 बजे पंधाना विधानसभा में एक सभा रखी गई है। फिलहाल दो दिन में उनकी चार सभाएं रखी गई हैं और इन सभाओं के माध्यम से कांग्रेस अपने पक्ष में माहौल खड़ा करना चाह रही है। फिलहाल तो कमलनाथ ही कांग्रेस के स्टार प्रचारक के रूप में नजर आ रहे हैं, क्योंकि कांग्रेस ने पहले से ही सभी पूर्व मंत्रियों को अपने-अपने क्षेत्र के हिसाब से अलग-अलग विधानसभा की जवाबदारी दे रखी है।

कांग्रेस ने हिंदुत्व के मुद्दे को बनाया हथियार

कांग्रेस भी भाजपा को टक्कर देने के लिए हिंदुत्व के मुद्दे को हथियार बना रही है। उसने उपचुनाव में बंटवाने के लिए श्रीराम लेखन की पुस्तिका छपवाई है। इसमें भगवान राम के साथ ही कांग्रेस नेताओं की फोटो छपी हैं, जिसके जरिए हिंदू वोटों की लॉबिंग की जाएगी। इंदौर संभाग की खंडवा लोकसभा और जोबट विधानसभा सीट समेत चार सीटों पर हो रहे उपचुनाव में जैसे जैसे मतदान की तारीख नजदीक आती जा रही है वैसे वैसे भाजपा और कांग्रेस के बीच चुनावी घमासान तेज होता जा रहा है। कांग्रेस उपचुनाव में राम के सहारे नैया पार लगाने की जुगत में लग गई है। यही वजह है कि चुनाव वाले क्षेत्रों में श्रीराम लेखन की पुस्तिकाएं बंटवाने जा रही है।

अयोध्या की फ्री में सैर

इस एक पुस्तक में 11 हजार बार राम का नाम लिखना होगा। जो लोग इसमें राम नाम लिखेंगे उन्हें अयोध्या की फ्री में सैर कराई जाएगी। इस पुस्तक पर भगवान राम के साथ कांग्रेस नेताओं की फोटो छपी हैं। इस पुस्तक को बांटने वाले कांग्रेस के प्रदेश सचिव विवेक खंडेलवाल का कहना है भाजपा सिर्फ वोट के लिए राम के नाम का उपयोग करती है, लेकिन असल राम राज्य तो कांग्रेस सरकार ही लाएगी। राम मंदिर की बात करने वाली भाजपा को भी मालूम है कि राम मंदिर का ताला स्वर्गीय राजीव गांधी ने ही खुलवाया था। इस पुस्तक को आम लोगों तक पहुंचाया जाएगा और उन्हें बताया जाएगा कि राम के नाम पर कांग्रेस वोट नहीं मांगती है बल्कि प्रभु श्रीराम के सुशासन को लागू करने का काम भी करती है।

आयकर कॉलोनी भारत नगर भोपाल नवदुर्गा समापन बच्चे गरबा करते हुए मां को विदा किया मीडिया प्रभारी भंवरलाल झा जि या अजीत ने आभार किया

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने 3 नवीन थाना भवनों का किया लोकार्पण

भोपाल / गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने दतिया में 3 नवीन थाना भवन शनिवार को लोकार्पित किये। उन्होंने धीरपुरा, भगुआपुरा और सेवढ़ा थाना भवनों का लोकार्पण किया। उक्त नव-निर्मित थाना भवन 3 करोड़ 90 लाख रुपये की लागत से तैयार किये गये हैं। डॉ. मिश्रा ने बताया कि नव-निर्मित भवनों से अधिकारी-कर्मचारियों का कार्य सुगम और सुविधाजनक होगा। इस अवसर पर स्थानीय जन-प्रतिनिधियों के साथ पुलिस महानिरीक्षक चम्बल जोन, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पानी-पुरी खाने से बच्चों सहित 100 लोग हुए बीमार

रितेश ठटरे ब्यूरो चीफ

पुष्पांजली टुडे, बालाघाट । जिले की लांजी तहसील के ग्राम सिरेगांव में पानी पुरी खाने से लगभग 100 लोग बिमार हो गये जिनमें से अधिकांश लोग उल्टी-दस्त से परेशान रहें। ग्रामीणों ने जानकारी में बताया कि 15 अक्टूबर को ग्राम सिरेगांव में दशहरा पर्व के चलते रावण दहन का कार्यक्रम रखा गया था, जिसमें आस पास के गांव के लोग एकत्रित हुए थे। शाम में यंहा कुम्हारी खुर्द निवासी नंदकिशोर समरिते पानी पुरी बेचने आया था। जिससे अधिकांश बच्चों एवं महिलाओं ने पानी पुरी खाया था। मध्यरात्रि लगभग 3 बजे बच्चों को पेट में दर्द होने लगा एवं भोर होते होते बच्चें एवं महिलाएं उल्टी-दस्त करने लगे एवं बुखार चढ़ने लगा। पहले तो गांव के लोग समझ नहीं पाएं की एसा क्यों हो रहा है लेकिन सुबह होते ही एक दूसरे से चर्चा की गई तो सभी ने बताया कि हाथठेला से बेचने आये व्यक्ति से सभी ने पानी पुरी खाये थे, जिससे इस तरह का फुड पायजन होने से सिरेगांव - खरेगांव के लगभग 100 लोग जिनमें बच्चे, महिलाएं एवं युवक बिमार हो गये। सुचना मिलने पर सभी पीड़ितों को डायल 108 एंबुलेंस की सहायता से बारी बारी से सिविल अस्पताल लांजी उपचार के

लिए लाया गया।

2 बच्चों को किया रिफर

फुड पायजन से बिमार हुए लगभग 90 लोगों का प्राथमिक उपचार किया गया। जिनमें 2 बच्चों का ज्यादा स्वास्थ्य खराब होने के चलते उन्हें जिला चिकित्सालय रिफर किया गया।यह भी बतादें कि ग्राम सिरेगांव के 3 बच्चों का स्वास्थ्य खराब के चलते उनके पालकों ने निजी साधनों से गोंदिया उपचार हेतु ले जाया गया।

भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश भटेरे ने जाना पीड़ितों का हाल

भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश भटेरे ने अस्पताल पहुंचकर फुड पायजन के शिकार सभी बच्चों और परिजनों से मुलाकात की। अस्पताल में भर्ती सभी पिड़तों का हालचाल जानकर डाक्टरों को पुरी तत्परता के साथ उपचार करने कहा गया।

विधायक हिना कावरे अस्पताल पंहुची

सिविल अस्पताल लांजी में भर्ती फुड पायजन से बिमार हुए लोगों से क्षेत्रीय विधायक सुश्री हिना कावरे ने मुलाकात कर? सभी पीड़ितों का हाल जाना एवं डाक्टर से समुचित इलाज करने की बात कही।

मामला कायम किया जाएगा

प्रथम दृष्टि में यह मामला सभी लोगों के द्वारा एक ही जगह से पानी पुरी खाने के चलते फुड पायजनिंग का प्रतित हो रहा है, 70 बच्चों के? अलावा अन्य लोग अस्पताल में इलाज करा रहे हैं व कुछ लोगों को रिफर किया गया है। अस्पताल तहरीर मिलते ही मामला कायम किया जाएगा।

- दुर्गेश आर्मो
एसडीओपी लांजी

बुरहानपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सीएम बोले...

सर्कस बनकर रह गई है कांग्रेस पार्टी, अपने ही डुबो रहे

भोपाल / मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान शनिवार दोपहर को बुरहानपुर के फोफनार पहुंचे। चुनावी सभा के मंच पर कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री ने सभा के दौरान नन्दू भैया को याद किया। उनके योगदान को गिनाया। साथ ही कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस में कोई अध्यक्ष नहीं है। उसकी अजीब हालत है। कांग्रेस पार्टी सर्कस बनकर रह गई है। राहुल गांधी पार्टी में किसी पद पर नहीं है लेकिन मुख्यमंत्री हटाने का निर्णय वहीं लेते हैं। उन्होंने पंजाब-छत्तीसगढ़ में पार्टी की बुरी स्थिति पर तंज कसा। पंजाब के हालात किसी से छुपे नहीं है। कांग्रेस के अपनो ने ही उसे डुबो दिया। मध्य प्रदेश में सिर्फ कमल नाथ ही कांग्रेस है। अब वही सर्वेसर्वा हो गए। बेचारे अरुण यादव

को कांग्रेस के अपनों ने ही निपटा दिया।

छत्तीसगढ़ के पत्थलगढ़ की घटना पर सीएम शिवराज ने कहा कि कमल नाथ को शर्म आनी चाहिए, उन्हें अनर्गल आरोप लगाने के अलावा कुछ मिलता ही नहीं है। जो व्यक्ति हैं, वो पकड़े गये हैं, सिंगरौली में भी उनके घर पर छापा मारा गया है। जो तथ्य है, सामने है। गड़बड़ करने वाले किसी भी कीमत पर बख्शे नहीं जाएंगे। कांग्रेस की तो अजब हालत है। पार्टी में अध्यक्ष का पता ही नहीं, जी 23 का अलग ही ग्रुप चल रहा है। पंजाब में चलती सरकार में मुख्यमंत्री बदल दिया, तो छत्तीसगढ़ में 50-50 की खींचतान है।

नंदू भैया का हर सपना पूरा होगा

सीएम ने खंडवा से पूर्व सांसदी रहे नंदकुमार सिंह चौहान के लिए कहा कि नंदू भैया अपने लिए नहीं जिये, पार्टी और आपके लिए सदैव जिए। आपको आज एक वचन देता हूं कि नंदू भैया के हर सपने को पूरा करके क्षेत्र का हरसंभव विकास करूंगा। स्व-सहायता समूह के माध्यम से हम महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। मेरा लक्ष्य है कि मेरी बहन कम से कम महीने में 10000 रुपये की आमदनी जरूर करें।

सायबर ठगो ने कई लोगो को बनाया अपना शिकार

भोपाल / राजधानी में साइबर जालसाजो ने अनेक लोगो को अपना शिकार बनाकर उनकी रकम उडा दी। जानकारी के अनुसार थाना हबीबगंज पांच नंबर स्टाप में रहने वाले प्रखर पटेरिया ने त्योहार के अवसर पर बुक कराई रेल टिकट पर अपने सफर की तारीख बदलवाने के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया करने का प्रयास किया। गलती से फिशिंग वेबसाइट पर चले गये जहॉ शातिरो ने उनके खाते से 36 हजार रूपये निकाल लिए। इधर थाना निशातपुरा जेल रोड करौंद कॉलोनी में रहने वाले रोहित साहू ने दो अज्ञात युवकों के खिलाफ धोखाधड़ी पूर्वक दुकान से सामान खरीद कर ऑनलाइन पैसा जमा कराने के नाम पर 15 हजार की धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज कराया है। वहीं थाना बागसेवनिया इलाके मे स्थित लक्ष्य होम्स निवासी इशिता भार्गव ने ऑनलाइन मोबाइल ओएलएक्स पर पसंद किया था। उसे कोरियर से भेजने का झांसा देकर जालसाज ने उनको लिंक भेजकर एप डाउनलोड करा दिया। बाद में उनके ओटीपी से जरिये 84 हजार निकाल लिए। वहीं खजूरी गांव में रहने वाले दीपक नागर ने अज्ञात मोबाइल धारक के खिलाफ धोखाधड़ी से उनके बैंक खाते से 11 हजार की रकम उडाने की शिकायत दर्ज कराई है।

करवाचौथ 24 अक्टूबर को

- पति की लंबी आयु और सुखी जीवन के लिए महिलाएं रखेंगी व्रत

भोपाल / हिंदू पंचांग के अनुसार करवाचौथ व्रत कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 24 अक्टूबर रविवार को रखा जाएगा। ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि चतुर्थी तिथि का प्रारंभ 24 अक्टूबर रविवार को प्रात- 3 बजकर 1 मिनट पर होगा। चतुर्थी तिथि का समापन अगले दिन 25 अक्टूबर सोमवार को प्रात- 5 बजकर 43 मिनट पर होगा। चतुर्थी तिथि में चन्द्रोदयव्यापिनी मुहूर्त 24 अक्टूबर को प्राप्त हो रहा है, इसलिए करवा चौथ व्रत 24 अक्टूबर को रखा जाएगा। करवा चौथ पूजा का मुहूर्त 1 घंटा 17 मिनट का है,

करवा चौथ के दिन शाम को 5 बजकर 43 मिनट से शाम 6 बजकर 59 मिनट के मध्य चौथ माता यानी माता पार्वती, भगवान शिव, गणेश, भगवान कार्तिकेय का विधिपूर्वक पूजन होगा। इसके बाद चंद्रमा के उदय होने पर उनकी पूजा होगी और चंदमा को अर्घ्य दिया जाएगा। उस समय पति की लंबी आयु और सुखी जीवन की कामना की जाती है।

देश के कई हिस्सों में सुहागन के साथ कुंवारी युवतियां भी विधि विधान से इस व्रत को रखती हैं। अखंड सौभाग्य की कामना का व्रत करवाचौथ का व्रत निर्जला रखा जाता है। सुहागिन स्त्रियों को इस व्रत का वर्ष भर इंतजार रहता है। सुहागिन स्त्रियां करवाचौथ पर सोलह श्रृंगार करती हैं, सभी महिलाएं एक साथ एकत्र होकर गोल बनाकर करवा बदलती हैं, पूजा करती हैं, करवा चौथ व्रत की कथा सुनती हैं। इस व्रत में चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद ही पति के हाथों पारण किया जाता है। करवा चौथ के दिन माता पार्वती, भगवान शिव, गणेश, भगवान कार्तिकेय और चंद्रमा की पूजा करने का विधान है।

सांसद प्रज्ञा के खिलाफ एफआईआर करने आवेदन

- कांग्रेस ने प्रज्ञा के बयान को हिंदू धर्म का अपमान बताया

- सांसद से पूछा- क्या भगवा कलर ओढ़ कर आतंकवादी पवित्र हो जाता हैं

भोपाल । भोपाल सांसद प्रज्ञा ठाकुर के बयान के विरोध में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। शनिवार को भेल महात्मा गांधी चौराहे पर कांग्रेस ने सांसद प्रज्ञा ठाकुर के खिलाफ प्रदर्शन किया और सांसद का पुतला जलाया। इस अवसर पर पूर्व जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष और नर्मदा परिक्रमाधारी रविन्द्र साहू झुमरवाला ने कहा कि सांसद ने हिंदू धर्म का अपमान किया है। इससे हिंदू धर्म के लोग आहत हुए है। उन्होंने हिन्दू धर्म की आस्था पर प्रश्नचिन्ह लगाया है। इसका विरोध करने के लिए हम सभी लोग एकत्रित हुए। रविन्द्र साहू ने कहा कि हमने उनके हिन्दू भावनाओं को आहत करने को लेकर गोविंदपुरा थाने में एफआईआर करने के लिए आवेदन दिया है। साथ ही रविन्द्र साहू ने कहा कि हम सांसद से पूछना चाहते है कि क्या भगवा कलर

ओढने से सभी आतंकवादी पवित्र हो जाते हैं।

बता दें सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने शुक्रवार को एमवीएम मैदान पर दशहरा उत्सव समिति के कार्यक्रम में कांग्रेस पर प्रताडना का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नर्मदा परिक्रमा करने से कोई अधर्मी पवित्र नहीं हो जाता है। इस दौरान मंच पर मौजूद विधायक पीसी शर्मा ने कार्यक्रम का बहिष्कार किया था। रविन्द्र साहू ने कहा सांसद का कहना है कि कोई भी नर्मदा जी की परिक्रमा करके अधर्मी पवित्र नहीं हो सकता। क्या बड़े-बड़े साधु संत जो मां नर्मदा की परिक्रमा करते है, वह सब अधर्मी है। क्या भगवान की सेवा करने वाले सभी अधर्मी है। भगवान की आराधना करने वाले अधर्मी है। उन्होंने सांसद से सवाल करते हुए पूछा कि क्या मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री जो ढोंग करते है,वह सब अधर्मी है।

साहू ने कहा कि मैंने 3200 किमी की पैदल यात्रा की। हमने नर्मदा जी की परिक्रमा करें तो हम सब अधर्मी हो गए। सांसद का बयान सुनकर मेरा मानसिक संतुलन खो बैठा हूं। हम परिक्रमा करें तो अधर्मी हो गए। मैं लोगों से कहना चाहता हूं कि आप लोग इस अपमान को ना बर्दाश्त न करें। हम लाग लड़ाई लड़ेंगे। सांसद को अपने बयान के लिए सभी परिक्रमा करने वाले लोगों से माफी मांगनी होगी। वहीं, शनिवार को एक वीडियो जारी कर कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि सांसद कबड्डी-गरबा खेल रही हैं। उनको मेडिकल आधार पर जमानत मिली है। हम कोर्ट से निवेदन करते है कि वह संज्ञान लेकर सांसद की जमानत कैंसिल करनी चाहिए।

आचार्यश्री का जन्मोत्सव, अमृत महोत्सव के रूप में मनेगा

मप्र विधानसभा परिसर में होगा मुख्य आयोजन

भोपाल / जैन संत परम पूज्य आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज के जीवन के 75 वर्ष पूरे होने पर शरद पूर्णिमा, 20 अक्टूबर को भोपाल में विधानसभा परिसर में गुरु अमृत महोत्सव का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर आचार्यश्री के जीवन पर आधारित 21 पुस्तकों का विमोचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

आयोजन के सूत्रधार रवीन्द्र जैन पत्रकार ने बताया कि 20 अक्टूबर की शाम 6.30 बजे विधानसभा के खुले प्रांगण में प्रतिभा स्थली, जबलपुर की पूर्व छात्राओं के मंगलाचरण से कार्यक्रम की शुरूआत होगी। इस अवसर पर भोपाल के विभिन्न मंदिरों में तैयार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति होगी। दृष्टि पब्लिक स्कूल सनावद के 50 बच्चों ने ज्ञानधारा नाम से आचार्यश्री के जीवन पर नाटिका तैयार की है। इसकी शानदार प्रस्तुति भी की जाएगी। ज्ञानधारा महाकाव्य की रचना आर्यिका श्री पूर्णमति माताजी ने की है। इस अवसर पर पुस्तक विमोचन के अलावा भोपाल के समाजसेवी देवेन्द्र जैन रूचि का समाजरत्न अलंकरण से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में भोपाल के पूर्व महापौर आलोक शर्मा, सुधीर यादव सागर, श्रीपाल नायक टीकमगढ, सुरेन्द्र जैन मालथौन सागर, अवधेश जैन जैसीनगर एवं राजीव जैन विदिशा को मुनिभक्त सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

आचार्यश्री के आशीर्वाद से देशभर में संचालित लगभग 300 गौशालाओं को संचालित करने वाले दयोदय महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम जैन प्रेमी भी कार्यक्रम में पधार रहे हैं। भोपाल समाज की ओर से उन्हें गौशाला हेतु लगभग 6.30 लाख की राशि भेंट की जाएगी। यह भोपाल में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान बची थी। कार्यक्रम के अंत में दानवीर प्रदीप जैन मामा परिवार द्वारा आचार्यश्री के चित्र की महाआरती की जाएगी।

28 परिवारों का अपने मकान का हुआ सपना साकार

लोहपीटा समुदाय के 28 परिवारों को मिला आवासीय पट्टा

ग्वालियर । अब हमारे बच्चे भी झाँकेंगे खिड़की से और खेलेंगे छत पर । हमारा भी होगा अब स्थायी पता । जीवन भर सड़क किनारे बैलगाड़ियों में अपना जीवन यापन करने वाले लौहपीटा परिवारों को जब आवास के पट्टे उपलब्ध कराए तो परिवारजनों के चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा हर व्यक्ति को आवास उपलब्ध कराने के संकल्प के परिपालन में ग्वालियर में 28 लौहपीटा परिवारों को आवासीय पट्टे प्रदान किए गए हैं। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने उन्हें आवास के पट्टे प्रदान किए। ग्वालियर के मनोरंजनालय, तानसेननगर की सड़क पर बैलगाड़ी में अपना जीवन यापन करने वाले परिवारों को आवासीय पट्टे उपलब्ध कराने की स्वीकृति शासन स्तर से प्राप्त हुई और उन्हें प्रशासन की ओर से आवास के पट्टे उपलब्ध कराए गए। ग्वालियर के ग्राम गोसपुरा और नारायण विहार के सड़क किनारे रह रहे 28 लोहपीटा परिवारों को विस्थापित किया गया था। यह परिवार मनोरंजनालय हजीरा की सड़क किनारे झुग्गी झोंपड़ी बनाकर रह रहे थे। आंधी-तूफान और बरसात के दौरान इन परिवारों को अनेक मुसीबतों का सामना करना प? रहा था। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की पहल पर शासन द्वारा इन्हें आवासीय पट्टे देने की स्वीकृति मिली और सभी 28 परिवारों को आवास के पट्टे वितरित किए गए। जिन 28 परिवारों को आवास के पट्टे उपलब्ध कराए गए हैं वे अपने पट्टे की भूमि पर आवास बनाकर खुशी-खुशी अपना जीवन यापन कर सकेंगे। जिन परिवारों को आवासीय पट्टे दिए गए हैं उनमें मुखिया सर्वश्री पूरन पुत्र रामसिंह, रूपसिंह पुत्र लालसिंह, शंकर पुत्र गिरवर, भईयनलाल पुत्र कल्लूलाल, शांतिबाई पत्नी भारत सिंह, कमल सिंह पुत्र वीरू आदिवासी, जमनाबाई पत्नी रमेश, जीतू पुत्र लालसिंह, भावना पत्नी कल्लू, ममताबाई पत्नी सोहनलाल, कान्ति पत्नि रामचरण, रूप पत्नि हेमू, मेमा पत्नी सोबरन, दीवानसिंह पुत्र कालीचरण, लाखन सिंह पुत्र गिरवर, कमला पत्नी चंगल, सोना पत्नी इंदल, गुड्डीबाई पत्नी पोली, अजय पुत्र किशन, धन्ना पुत्र गोपाल, कल्ला पुत्र रतिराम, अजय पुत्र फूलसिंह, सूरज पुत्र किशन, नारायणी पत्नी लाखन, कमला पत्नी किशन, रनिया पत्नी मैघालाल, रेशमबाई पत्नी लालसिंह एवं पप्पू पुत्र रतीराम शामिल हैं।

खुशियों की दास्तां : चलने में असमर्थ पिंक्सी को अधिकारियों ने उनके वाहन पर ही प्रदान किया

ग्वालियर । नगर निगम ग्वालियर की सम्पदा शाखा के अधिकारियों द्वारा दिव्यांग कुमारी पिंक्सी भदौरिया पुत्री श्री रविन्द्र सिंह भदौरिया जो कि चलने फिरने में असमर्थ थीं, उनको कार्यालय के बाहर उनके वाहन पर ही उन्हें पटटा प्रदान किया गया। इसके साथ ही श्री विकास पुत्र श्री चोखेलाल एवं श्रीमती राधादेवी पत्नी श्री सुनील को राजीव आवास योजना के तहत पटटा प्रदान किया गया। नोडल अधिकारी सम्पदा शाखा श्री अरविन्द चतुर्वेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि निगमायुक्त श्री किशोर कान्याल द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में सम्पदा शाखा द्वारा शाखा में लंबित आवास आदि के सभी प्रकरणों का नियमानुसार निराकरण किया जा रहा है। आवेदक दिव्यांग कुमारी पिंक्सी भदौरिया पुत्री श्री रविन्द्र सिंह भदौरिया, श्री विकास पुत्र श्री चोखेलाल एवं श्रीमती राधादेवी पत्नी श्री सुनील द्वारा राजीव आवास योजना के अंतर्गत आवास के लिए आवेदन दिया गया था, जिसके चलते आज गुरुवार को दिव्यांग कुमारी पिंक्सी भदौरिया पुत्री श्री रविन्द्र सिंह भदौरिया को महलगांव पैकेज में भवन क्रमांक एम एस -12 का पटटा प्रदान किया गया।

इसके साथ ही श्री विकास पुत्र श्री चोखेलाल को शर्मा फार्म नम्बर 2 पर आवास क्रमांक सी एफ-11 एवं श्रीमती राधादेवी पत्नी श्री सुनील को राजीव आवास योजना के अंतर्गत महलगांव पैकेज में भवन क्रमांक एम एस -02 आवास का पटटा शाखा प्रभारी श्री सुरेन्द्र जैन द्वारा प्रदान किया गया।

इंटरसेप्टर व्हीकल द्वारा की जारही कार्यवाही का एसपी ग्वालियर ने किया निरीक्षण

यातायात नियमों का पालन करने की वाहन चालकों से की अपील

ग्वालियर। पुलिस मुख्यालय द्वारा ग्वालियर जिले को प्रदाय इंटरसेप्टर व्हीकल से पहली बार की गई कार्यवाही कापुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी ने निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने जौरासी घाटी पहुंच कर इंटरसेप्टर व्हीकल द्वारा स्पीड रडार के जरिये ओवर स्पीड करने वाले वाहन चालकों पर की जा रही चालानी कार्यवाही को देखा। इस दौरान यातायात पुलिस के द्वारा इंटरसेप्टर व्हीकल के जरिये ओवर स्पीड करने वाले 12 वाहन चालकों पर चालानी कार्यवाही कर मौके पर ही उनसे समन शुल्क वसूला गया। इस कार्यवाही के दौरान अति0 पुलिस अधीक्षक यातायात श्रीमती हितिका वासल, उप पुलिस अधीक्षक यातायात श्री नरेश बाबू अन्नोटिया, थाना प्रभारी यातायात निरी0 बैजनाथ प्रजापति, सूबेदार राघवेन?द्र जादौन के साथ यातायात पुलिस का बल मौजूद रहा।पुलिस अधीक्षक ग?वालियर द्वारा सभी वाहन चालकों से अपील की है कि वह चार पहिया वाहन चलाते समय हमेशा सीट बेल्ट का उपयोग करें, दो पहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनें तथा सड़क पर वाहन चलाते वक्त यातायात नियमों का पालन करें।

रंजिश में युवक को गोली मारी

ग्वालियर । देहात के भितरवार थाना क्षेत्र में स्थित पवाया गांव में रंजिश के चलते 2 लोगों ने एक युवक के पेट में गोली मार दी। पुलिस ने घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेज आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है ।जानकारी के अनुसार भितरवार थाने के पवाया निवासी वीरेंद्र बघेल 25 साल का कुछ दिन पहले गांव के जगदीश मिश्रा से विवाद हो गया था। गांव वालों के समझाने पर उस समय मामला शांत हो गया था। सुबह वीरेंद्र बघेल जब घर के बाहर जा रहा था। तभी सौरभ मिश्रा और सचिन मिश्रा कार से आए और उन्होंने वीरेंद्र को गोली मार दी जो उसके पेट में लगी। इसके बाद दोनों युवक भाग निकले घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर आ गई और घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेज आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

जीवाजी विश्वविद्यालय में सीमा सुरक्षा बल मोटर साईकिल टीम जाँबाज द्वारा डेयर डेविल शो का आयोजन

ग्वालियर । आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर ÷आजादी का अमृत महोत्सव÷ कार्यक्रम के तहत सीमा सुरक्षा बल मोटर साईकिल टीम ÷जाँबाज÷ द्वारा ÷डेयर डेविल शो÷ का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर के तत्वावधान में केन्द्रीय मोटरगा?ी प्रशिक्षण स्कूल की मोटर साईकिल टीम ÷जाँबाज÷ हिस्सा लेगी, जो कई प्रसिद्धियाँ प्राप्त कर चुकी है व गणतंत्र दिवस परेड में राजपथ पर ÷डेयर डेविल शो का प्रदर्शन करती रही है। आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत सीमा सुरक्षा बल मोटर साईकिल टीम ÷जाँबाज÷ द्वारा ÷डेयर डेविल शो÷ का आयोजन 15 अगस्त 2021 को प्रारंभ करके 15 अगस्त 2022 तक देश के विभिन्न शहरों में किया जायेगा। इसी क्रम में कई शहरों जैसे बीकानेर, अहमदाबाद एवं दंतेवा?ा में ये प्रदर्शन किया जा चुका है और अब 17 अक्टूबर 2021 को सा? 3 बजे जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के ग्राउण्ड पर आम जनता के लिए किया जा रहा है। अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत सीमा रक्षकों द्वारा ÷डेयर डेविल शो÷ का मुख्य उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम से जु? गौरवशाली इतिहास के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करना एवं आम जनता में इस ÷डेयर डेविल शो÷ के माध्यम से देश के प्रति अगाध श्रद्धा, बल के जवानों के प्रति विश्वास और देश प्रेम की भावना पैदा करना है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर संगीता शुक्ला, कुलपति जीवाजी विश्वविद्यालय उपस्थित रहेंगीं। साथ ही कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी एवं श्री जे एस ओबेरॉय, वी एस एम, महानिरीक्षक/संयुक्त निदेशक सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर व सीमा सुरक्षा बल के अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज ने 9 दिवासिय के बाद दिव्य दर्शन भक्तों को दिए

मुनिश्री नो दिवसीय के साधना के उपरांत कमल के समवशरण भक्तों को दिव्य दर्शन दिए

मुनिश्री 7 से 15 अक्टूबर तक अखंड मौन साधना चल रही है।

ग्वालियर। नगर में वर्षयोग कर रहे जैन संत वात्सल्य सरोवर राष्ट्रसंत मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज नई स?क स्थित चंपाबाग धर्मशाल में पिछले 07 से 15 अक्टूबर तक 9 दिवासिय एकांत में आध्यत्मिक मौन अखंड साधना लीन थे। आज शनिवार को अभूतपूर्व बर्षयोग समिति व जैन मिलन ग्वालियर के तत्वावधान में मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज अपने कक्षा से जैसे बाहर निकलकर आए वहाँ मौजूद भक्तगणों ने संगीतकार शुभम जैन सैमी के भजनों पर गुरुभक्ति ने नृत्यकर झूमने लगगे। मुनिश्री पांच फुट ऊंचे कमल के फूल के समवशरण में विराजमान होकर दिव्य दर्शन भक्तों को दिए।।

कार्यक्रम शुभारंभ दीप प्रज्वलित व मंगल चरण से किया...

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि मुनिश्री की आगवानी महिलाओ ने मंगल कलश ओर पुरुषों ने जयकारों गूंज के साथ पुष्पवर्षा कर की। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्यश्री विराग सागर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित डॉ वीरेंद्र गंगवाल, पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल, महेंद्र टोंग्या व दिल्ली समाजजनों ने किया। मंगल चरण कु. श्रेया जैन ने किया। गुरुचरणों में पुष्पांजलि ब्रह्मचारिणी प्रियंका दीदी व नीतू दीदी ने दी। मुनिश्री का प्रथम पदाप्रक्षालन अनिल जैन दीपिका जैन आर्यन कॉलेज व शास्त्रभेंट स्वदेश जैन शीलचंद जैन दिल्ली व दीपो से आरती प्रमोद जैन परिवार ने की। संचालन विनय कासलीवाल, आभार योगेश बोहरा ने किया।

सुदामा - कृष्ण की मित्रता का प्रसंग सुन भावुक हुए भक्त : शास्त्री

ग्वालियर । एकता कॉलोनी राजा गैस गोदाम गोल पहाड़िया लक्ष्मीगंज में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन दिन शनिवार को ग्वालियर शहर के सुप्रसिद्ध भागवताचार्य घनश्याम शास्त्री महाराज ने कहा कथा सुनने से मानव जीवन में संस्कार का उदय होता है जीवन में कितनी भी विकट परिस्थिति क्यों न आ जाए मुनष्य को अपना धर्म व संस्कार नहीं छोड़ना चाहिए ऐसे ही मनुष्य जीवन के रहस्य को समझ सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिसकी भगवान के चरणों में प्रगाण प्रीति है,वही जीवन धन्य है ईश्वर ने विभिन्न लीलाओं के माध्यम से जो आदर्श प्रस्तुत किया,उसे हर व्यक्ति को ग्रहण करना चाहिए ऐसा करने से जीवन मूल्यों के बारे में जानकारी मिलने के साथ-साथ अपने कर्तव्य को भी समझा जा सकता है मनुष्य स्वंय को भगवान बनाने के बजाय प्रभु का दास बनने का प्रयास करें,क्योंकि भक्ति भाव देख कर जब प्रभु में वात्सल्य जागता है तो वे सब कुछ छोड़ कर अपने भक्तरूपी संतान के पास दौड़े चले आते है गृहस्थ जीवन में मनुष्य तनाव में जीता है,जब कि संत सद्भाव में जीता है यदि संत नहीं बन सकते तो संतोषी बन जाओ संतोष सबसे बड़ा धन है उन्होंने बताया भगवान श्रीकृष्ण की सिर्फ 8 पत्नियां थी जिनके नाम रुक्मणि, जाम्बवन्ती, सत्यभामा, कालिन्दी, मित्रबिन्दा, सत्या, भद्रा और लक्ष्मणा था. पुराणों के अनुसार कृष्ण की 1 लाख 61 हजार 80 पुत्र इतना ही नहीं, उनकी सभी स्त्रियों के 10-10 पुत्र और एक-एक पुत्री भी उत्पन्न हुई उन्होंने कहा श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के सातवें दिन श्रीकृष्ण भक्त एवं बाल सखा सुदामा के चरित्र का वर्णन,श्रीमद्भागवत तथा श्रीव्यास पूजन किया कथावाचक शास्त्री जी ने कथा के दौरान श्रीकृष्ण एवं सुदामा की मित्रता के बारे में जानकारी देते हुए बताया ।

मनुष्य की यात्रा ही अपनी आत्मा से मिलना है: मुनिश्री

ग्वालियर। मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य का स्वभाव आत्मा से मिलता है। मनुष्य होकर परमात्मा की तलाश करना चाहिए। मनुष्य की यात्रा ही अपनी आत्मा से मिलना है, और मनुष्य के स्वभाव को जगाने वाले पांच परमेष्ठी अर्थवा अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधु यह पांच परमेष्ठी ही मनुष्य को जगाते हैं, और अपनी शक्तियों को साधना, ध्यान, तप, सयंम में रहकर गुरु का हाथ पकड़कर मोक्ष मार्ग की तरफ वह मनुष्य बढ़ता जाता है। मनुष्य को साधना पथ पर आगे बढ़ना है तो उसे अपने फैसले गुरु बनकर उन पर ही छोड़ देना चाहिए तो गुरु ही भूली शक्तियों को मिलवाते हैं। गुरु जीवन के सच्चे सलाहकार है। गुरु ही बताते है कि संसार से कैसे विरक्त हो ओर मोक्षमार्ग के पथ पर कैसे आगे बढे। मुनिश्री विजयेश सागर महाराज, मुनिश्री विनिबोध सागर महाराज, ऐलक री विनियोग सागर महाराज नव भी संबोधित किया। मुनिश्री के चरणों मे वर्षायोग समिति के डॉ वीरेंद्र गंगवाल, महेंद्र टोंग्या, प्रवीण गंगवाल, बालचंद जैन, विनय कासलीवाल, अध्यक्ष योगेश बोहरा, संजीव जैन, पंकज बाकलीवाल, आशीष जैन, पंकज छाब?ा, एवं दिल्ली, बीना, झांसी, आगरा, भिंड, जयपुर से आए गुरुभक्तों ने श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद लिया।

महिलाओं ने डांडिया नृत्य व दीपकों से आरती की गई

मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में सांयकाल प्रभुसंग गुरुवर की भक्ति कार्यक्रम हुआ। जिसमें सजीधजी ड्रेस में महिलाओ के अलग अलग संगठनों के द्वारा भजनों पर डांडिया नृत्य किया गया। वही भगवान जिनेंद्र और मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज की दीपो से संगीतमत भव्य आरती की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों ने नृत्य की प्रस्तुतियां आयोजित की गई।

युवक को तलवार मारी

ग्वालियर । जिले के बिलौआ थाना क्षेत्र में बीते रोज माता विसर्जन करने जा रहे एक युवक कि 2 लोगों ने मारपीट कर उसे तलवार मार कर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बिलौआ थाने के वार्ड 5 निवासी लखन चौरसिया 30 साल बीते रोज माता विसर्जन करने जा रहे थे तभी टंकी के पास पवन यादव और साहिल चौरसिया ने उन्हें घेर लिया और उनकी मारपीट कर तलवार मार दी ।जिससे वह घायल हो गए पुलिस ने घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेज आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478